केवल आप के लिये
गांव–गांव शहर–शहर देश दुनियां में अपनों तक पहुंचाना है तो :भारतीय बस्ती दैनिक वेब
www.bhartiyabasti.com
और उसका छपा संस्करण
सबसे बेहतर माध्यम
सम्पर्क–bhartiyabasti@gmail.com
मो0 9450567450| 9336715406

दैनिक भारतीय बस्ती

भारतीय बस्ती
www.bhartiyabasti.com के लिये विज्ञापन बुक कराये।
विचार, प्रचार का सशक्त माध्यम
सम्पर्क
मो0 9336715406
8400925463

भारतीय बस्ती आमंत्रण मूल्य 2रूपया

R.N.I. 38784/81 डाक पंजीकरण सं0 B.S.T 59 बस्ती, वर्ष :48 अंक 15 सोमवार 3 अगस्त 2026 (बस्ती संस्करण) बस्ती एवं अयोध्या–फैजाबाद से एक साथ प्रकाशित पृष्ठ :4मूल्य:3.00 रुपया www.bhartiyabasti.com

एक नजर

श्रावण महापर्व उत्सव में होगा 33 हजार पार्थिव पूजन

—भारतीय बस्ती संवाददाता—

बस्ती। सनातन धर्म चेतना चैरिटेबल ट्रस्ट द्वारा श्रावण मास के अवसर पर कड़र धाम मंदिर पर श्रावण महापर्व उत्सव का आयोजन किया गया है।

ट्रस्ट अध्यक्ष राजेश मिश्र ने बताया कि श्रावण महापर्व पर 3 दिवसीय अनुष्ठान 25, 26, 27 अगस्त तक चलेगा।। इसमें प्रतिदिन 11 हजार पार्थिव पूजन के साथ सामूहिक रुद्राभिषेक प्रातः 9 बजे से आरंभ होगा ।

3 दिवसीय अनुष्ठान में दोपहर 2 बजे से श्री रामचरित मानस सम्मेलन आयोजित किया जा रहा है जिसमें श्री राम चरित मानस के विभिन्न प्रसंगों पर विभिन्न वक्ताओं द्वारा प्रस्तुति दी जाएगी । ट्रस्ट अध्यक्ष राजेश मिश्र ने कहा कि महापर्व उत्सव के सभी आयोजन धर्म, संस्कृति और सामाजिक सभ्यता को और अधिक मजबूत बनाने में सहायक होंगे । आयोजन समिति के सदस्यों ने कार्यक्रम को विधिवत सम्पन्न कराने के लिए अपने अपने विचार रखे।

आयोजन की रूपरेखा निर्माण समिति में मुख्य रूप से अरुण भारती, ओम प्रकाश ठाकुर, शैलेष कुमार श्रीवास्तव एडवोकेट, सौरभ कुमार बोस, सौरभ मिश्र एडवोकेट, संतोष मिश्रा, विशाल पाण्डेय , राहुल मिश्रा , आचार्य वेद प्रकाश त्रिपाठी ने तन मन से समर्पित होकर आयोजन सम्पन्न कराने का संकल्प लिया।

नवविवाहिता की संदिग्ध हालत में मौत

भारतीय बस्ती संवाददाता—

बस्ती । रविवार दोपहर एक नवविवाहिता की संदिग्ध परिस्थितियों में मौत हो गई। मृतका के परिजनों ने उसके पति पर मायके पहुंचकर जबरन जहर पिलाने का आरोप लगाया है। सूचना पर पहुंची पुलिस ने शव को कब्जे में लेकर पोस्टमॉर्टम के लिए भेज दिया और मामले की जांच शुरू कर दी है।मृतका की पहचान अर्चना के रूप में हुई है।

जानकारी के अनुसार उसकी शादी 13 मई को सिद्धार्थनगर जिले के डिडई थाना क्षेत्र के एक गांव निवासी शिवम से हुई थी। परिजनों के अनुसार, शादी के करीब दो महीने बाद ही पति–पत्नी के बीच विवाद शुरू हो गया था, जिसके बाद अर्चना अपने मायके बस्ती जिले के तेलौरा गांव में रह रही थी। मृतका के छोटे भाई सौरभ का आरोप है कि रविवार को उनकी मां इलाज के लिए बाहर गई थीं और अर्चना घर पर अकेली थी। इसी दौरान उसका पति शिवम वहां पहुंचा और कथित तौर पर उसे जहरीला पदार्थ पिला दिया। हालत बिगड़ने पर ग्रामीण उसे अस्पताल ले गए, जहां चिकित्सकों ने उसे मृत घोषित कर दिया। सौरभ का दावा है कि अर्चना ने मौत से पहले उसे बताया था कि उसके पति ने ही उसे जहर दिया है। घटना के बाद मौके पर मौजूद कुछ लोगों ने आरोपी पति की पिटाई भी कर दी। सूचना मिलने पर पुलिस मौके पर पहुंची और आवश्यक कार्रवाई की। प्रभारी निरीक्षक संजय कुमार दुबे ने बताया कि मामले की जांच की जा रही है। उन्होंने कहा कि पोस्टमार्टम रिपोर्ट आने के बाद ही मौत के कारणों की स्पष्ट जानकारी मिल सकेगी और उसी आधार पर आगे की कार्रवाई की जाएगी।

एक करोड युवाओं को दिलाया नशा न करने की शपथ

नई दिल्ली (आभा)। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने युवाओं को नशे से दूर रखने के लिए नशा मुक्त युवा फॉर विकसित भारत संकल्प अभियान की शुरुआत की है। इस राष्ट्रव्यापी अभियान के शुभारंभ पर दस हजार स्थानों पर करीब एक करोड़ युवाओं ने नशा न करने की शपथ ली। इसके तहत हर रविवार को खेल और योग जैसी जागरूकता गतिविधियां आयोजित की जाएंगी।

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने वीडियो कॉल के जरिए 'नशा मुक्त युवा फॉर विकसित भारत संकल्प अभियान' की शुरुआत की। इस अभियान का मकसद देश के युवाओं को नशे के खिलाफ एक साथ लाना है, ताकि भारत को नशा मुक्त बनाया जा सके और देश तरक्की कर सके। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने कहा कि देश के विकास के लिए युवाओं का नशे से दूर रहना और सेहतमंद रहना बहुत जरूरी है।

रोटरी क्लब बस्ती ग्रेटर की पहल शिविर में 52 ने किया रक्तदान

—भारतीय बस्ती संवाददाता—

बस्ती। रोटरी क्लब बस्ती ग्रेटर और बस्ती चेरीटेबल ब्लड बैंक के संयुक्त प्रयास से 5 दिवसीय रक्तदान शिविर में कुल 52 लोगों ने रक्तदान किया। समापन अवसर पर रक्तदान करने वालों को सम्मानित कर उनका उत्साहवर्धन किया गया।

रोटरी क्लब बस्ती ग्रेटर जिलाध्यक्ष डा. वी.के. वर्मा ने बताया कि क्लब और बस्ती चेरीटेबल ब्लड बैंक की पहल का बेहतर परिणाम आया। कहा कि रक्त की मांग बढ़ती जा रही है। सड़क दुर्घटनाओं, सर्जरी, पुरानी बीमारियों और प्राकृतिक आपदाओं में वृद्धि के साथ, सुरक्षित रक्त की आवश्यकता पहले से कहीं अधिक है। रक्तदान केवल एक नेक कार्य नहीं है , यह स्वास्थ्य सेवा का एक महत्वपूर्ण स्तंभ है जो प्रतिदिन जीवन बचाता है। बहुत से लोग इस बात से अनजान हैं कि एक बार रक्तदान करने से तीन लोगों की जान बच सकती है।

चार्टर अध्यक्ष किशन गोयल ने कहा कि दान किए गए रक्त को अक्सर लाल रक्त कोशिकाओं, प्लेटलेट्स और प्लाज्मा जैसे घटकों में विभाजित किया जाता है, जिनका उपयोग विभिन्न रोगियों के लिए किया जा सकता है। 5 दिवसीय शिविर में कृष्ण कुमार गुप्ता, अवध बिहारी, वेद रतन, शोभित के साथ ही 52 लोगों ने रक्तदान किया।

सचिव रो. सुमिर गोयल, रो. डा. आलोक रंजन, डा. श्यामनरायन चौधरी, राम दयाल चौधरी, के साथ ही डा. पी.के. श्रीवास्तव, विजय सिंह, आलोक चौधरी, मुकेश, शिवम मिश्रा, विजय शुक्ला, जितेन्द्र कुमार, डी.पी यादव, महन्थराम वर्मा, विकास चौधरी, कौशल त्रिपाठी आदि ने योगदान किया।

श्रीराम मंदिर से चंदा चुराने वालों के घरों पर क्यों नहीं चला बुल्डोजर- महेन्द्र श्रीवास्तव

—भारतीय बस्ती संवाददाता—

बस्ती। कांग्रेस आर.टी.आई. विभाग के प्रदेश उपाध्यक्ष और पूर्वान्चल प्रभारी महेन्द्र श्रीवास्तव ने लोकसभा में नेता प्रतिपक्ष नेता राहुल गांधी, सांसद पप्पू यादव और अवधेश प्रसाद के खिलाफ वाराणसी में मुकदमा दर्ज कराये जाने की कड़े शब्दों में निन्दा करते हुये कहा है कि श्रीराम मंदिर से चंदा डकैती मामले को लेकर भाजपा नेतृत्व और कुछ संगठन बौखला गये हैं। कहा कि सनातन का अपमान तो उन लोगों ने किया जिन्होने श्रीराम मंदिर से चंदा डकैती करके श्री अयोध्या धाम और मर्यादा पुरूषोत्तम श्रीराम के प्रति आस्था को कलंकित किया है।

कांग्रेस नेता महेन्द्र श्रीवास्तव ने कहा कि यदि श्रीराम मंदिर से चंदे की डकैती न हुई होती तो संसद भवन में सांसद पप्पू यादव को साधु वेश में प्रतिरोध क्यों करना पड़ता। कहा कि भाजपा अभी भी चंदा चोरों के बड़े जिम्मेदारों को बचाने में लगी है। अभी तक सरकार ने एसआईटी की जांच रिपोर्ट को सार्वजनिक नहीं किया। कांग्रेस नेता महेन्द्र श्रीवास्तव ने कहा कि उत्तर प्रदेश में बात–बात पर निर्दोषों के मकानों पर बुल्डोजर चलवाकर लोगों को बेघर कर दिया जाता है किन्तु जब चंदा चोरो पर बुल्डोजर चलाने की बात आयी तो ऐसा लगता है कि बाबा को बुल्डोजर मरम्मत में चला गया है। यह दोहरा चरित्र दुर्भाग्यपूर्ण है। कांग्रेस जब तक समूचे मामले का सच सामने नहीं आ जाता रचनात्मक विरोध जारी रखेगी।

करंट से लाइनमैन की मौत

—भारतीय बस्ती संवाददाता—

बस्ती । नगर थाना क्षेत्र के निरंजनपुर गांव के पास रविवार शाम बिजली लाइन की मरम्मत के दौरान एक लाइनमैन की करंट लगने से मौत हो गई। हादसा उस समय हुआ, जब वह बिजली आपूर्ति बहाल करने के लिए पोल पर चढ़कर काम कर रहे थे। मृतक की पहचान राजू के रूप में हुई है। प्रत्यक्षदर्शियों के अनुसार, लाइनमैन राजू शाम करीब 4 बजे विद्युत लाइन की मरम्मत के लिए पोल पर चढ़े थे। इसी दौरान अचानक लाइन में करंट प्रवाहित हो गया। करंट लगने से वह गंभीर रूप से झुलस गए और उनकी मौके पर ही मौत हो गई।घटना की जानकारी मिलते ही बड़ी संख्या में ग्रामीण मौके पर एकत्र हो गए। सूचना पर नगर थाना पुलिस भी घटनास्थल पर पहुंची और शव को कब्जे में लेकर पंचनामा की कार्रवाई पूरी की। इसके बाद शव को पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया गया। पुलिस ने बताया कि हादसे के कारणों की जांच की जा रही है। वहीं, विद्युत विभाग भी यह पता लगाने में जुटा है कि मरम्मत कार्य के दौरान लाइन में करंट कैसे प्रवाहित हुआ।

मुझे मारने की साजिश रची गई थी, लेकिन मैं बच गया—पप्पू यादव

नई दिल्ली (आभा)। निर्दलीय सांसद पप्पू यादव की रविवार को राजधानी दिल्ली में प्रेस कॉन्फ्रेंस के दौरान भारी बवाल हुआ। रिपोर्ट के मुताबिक, पूर्णिया सांसद के ऊपर चाकू से हमले की कोशिश की गई। घटना को लेकर पप्पू यादव ने दावा किया, 'मेरे घर में किसी ने घुसकर हमला किया। क्या अब लोग हमसे मिलने भी नहीं आ सकते? चाकू लेकर मारने आया था। बाबा लोग रोज कह रहे हैं कि मुझे मार दो, जला दो, हम 51 लाख रुपये देंगे। हमने उसे पकड़कर पुलिस के हवाले कर दिया। मुझे मारने की साजिश रची गई थी, लेकिन मैं बच गया।

सांसद पप्पू यादव ने कहा कि मैंने पहले ही कई एफआईआर दर्ज कराई हैं। मेरे वकील भी यहां मौजूद हैं। मैं डरूंगा नहीं। अगर कोई मुझे मारना चाहता है, तो मार दे। पप्पू यादव के एक समर्थक ने कहा,श्पप्पू यादव एक जननेता हैं। वे 24 घंटे जनता की सेवा करते हैं। वो हमलावर था। जैसे ही उसने पीछे से चाकू निकाला, हम लोगों ने उसे मिलकर पकड़ लिया। हमलावर को पुलिस हिरासत में भेज दिया गया है।पप्पू यादव ने कहा, 'मैं जनता के बीच घिरा हुआ था। सभी मीडिया के साथी मौजूद थे, वार्ता हो ही रही थी उतने में ये हुआ। मुझे मारने की साजिश तो चल ही रही है। कई बाबा मुझे जलाने–मारने की बात कर रहे हैं। अगर वहां पर इतने लोग मौजूद नहीं होते तो आज मैं खत्म हो जाता। मेरे परिजनों को भी परेशान किया गया है। मैंने तो कुछ कहा ही नहीं। 200 किलोग्राम सोना और चांदी कहां गया? ये सवाल जरूरी हैं। उन्होंने कहा, 'दिल्ली पुलिस काफी काबिल है। मैं बहुत दिनों से सुरक्षा की मांग कर रहा हूं। कई बाबा मुझे मारने की बातें कर रहे हैं। क्या कोई साधु इस तरह की बातें करेगा? मैंने कौन सा पाप किया है?

जन अधिकार पार्टी की बैठक में बनी विधानसभा चुनाव की रणनीति

—एकजुटता, राजनीतिक भागीदारी समय की मांग—चन्द्रसेन पाल

—भारतीय बस्ती संवाददाता—

बस्ती । जन अधिकार पार्टी की कार्यकर्ता बैठक रविवार को प्रेस क्लब सभागार में जिलाध्यक्ष आशीष मौर्य की अध्यक्षता में सम्पन्न हुई। बैठक में सांगठनिक मजबूती और आगामी विधानसभा चुनाव में पार्टी की भूमिका पर विचार विमर्श किया गया।

बैठक को संबोधित करते हुए जन अधिकार पार्टी के प्रदेश अध्यक्ष चन्द्रसेन पाल ने दलितों, पिछड़ों और अल्पसंख्यकों की एकजुटता पर बल दिया। उन्होंने कहा कि यह एकजुटता ही सामाजिक न्याय और राजनीतिक भागीदारी सुनिश्चित कर सकती है। मौर्य ने बताया कि पार्टी सभी वर्गों के हितों के लिए संघर्षरत है और भविष्य में संगठन को और मजबूत किया जाएगा।

विशिष्ट अतिथि और मण्डल प्रभारी शिवाजी कुशवाहा ने कार्यकर्ताओं से आपसी समन्वय और संगठनात्मक अनुशासन बनाए रखने का आह्वान किया। उन्होंने जोर दिया कि एक एकजुट संगठन ही जनता की आवाज को प्रभावी ढंग से उठा सकता है। कहा कि आगामी विधानसभा चुनाव को देखते हुये कार्यकर्ता तैयारियों में जुट जाय।

जिलाध्यक्ष आशीष मौर्य ने स्थानीय जनसमस्याओं को प्राथमिकता से उठाने, आम लोगों से सीधा संवाद स्थापित करने और संगठन को बूथ स्तर तक मजबूत करने पर बल दिया। संचालन जिला महासचिव झिनकान मौर्य ने किया।

बैठक में जगन्नाथ मौर्य, विकास गौतम, झिनकान मौर्य, अभिषेक मौर्य, अखिलेश प्रजापति, प्रदीप मौर्य, पवन मौर्य, पंचराम मौर्य, अजय मौर्य, घनश्याम मौर्य, भागीरथी मौर्य, चन्द्रगुप्त मौर्य, रामकेश मौर्य, रामदेव मौर्य, वेदप्रकाश मौर्य, आशाराम मौर्य, मनोज मौर्य, ओम प्रकाश मौर्य, राम कोमल मौर्य, परशुराम चौधरी, लल्लन यादव, अजय जायसवाल, रविन्द्र शर्मा, जयलाल भारती, हरीराम मौर्य, सुरेश मौर्य, सहित बड़ी संख्या में पदाधिकारी और कार्यकर्ता उपस्थित थे।

जन जागृति चौपाल में गूंजा शिक्षा, स्वास्थ्य जैसे जनहित का मुद्दा: सरकार को दिया बड़े आन्दोलन की चेतावनी

—भारतीय बस्ती संवाददाता—

बस्ती। रविवार को राष्ट्रीय सवर्ण शक्ति मोर्चा द्वारा सल्टौआ विकास खण्ड क्षेत्र के उमरा दसिया में आयोजित जन जागृति चौपाल में बड़ी संख्या में उपस्थित लोगों ने शिक्षा, स्वास्थ्य, युवाओं के भविष्य तथा विभिन्न जनहित के मुद्दों पर गहरा आक्रोश व्यक्त किया। सभा में मोर्चा के अध्यक्ष रामजी पाण्डेय ने कहा कि यूजीसी से संबंधित जिन नए प्रावधानों का विरोध किया जा रहा है, उन्हें बिना व्यापक जनसंवाद और सहमति के लागू किया गया, जिससे छात्रों, अभिभावकों और समाज के एक बड़े वर्ग में असंतोष व्याप्त है।

—जन संवाद और सहमति से लागू हो कानून— रामजी पाण्डेय

मुख्यवक्ता रामप्रताप सिंह ने कहा कि देश की शिक्षा व्यवस्था लगातार अनिश्चितता की ओर बढ़ रही है। प्रतियोगी परीक्षाओं में लगातार सामने आ रही अनियमितताओं, युवाओं के भविष्य से जुड़े सवालों तथा उच्च शिक्षा में बार–बार किए जा रहे बदलावों ने छात्रों का विश्वास कमजोर किया है। अमितेश प्रताप सिंह, यशवंत सिंह 'रोलू' अमरदीप पाण्डेय, जय सिंह राठौर ने मांग किया कि शिक्षा व्यवस्था को राजनीतिक प्रयोगों का माध्यम बनाने के बजाय छात्रों के हितों को सर्वोच्च प्राथमिकता दी जाए। चौपाल में स्वास्थ्य व्यवस्था पर भी चिंता व्यक्त करते हुए प्रेम शंकर राठौर आशीष सिंह ने कहा कि आम नागरिक को आज भी गुणवत्तापूर्ण और सुलभ स्वास्थ्य सेवाएं उपलब्ध नहीं हो पा रही हैं। उन्होने सरकारी स्वास्थ्य सेवाओं को मजबूत करने, ग्रामीण क्षेत्रों में चिकित्सीय सुविधाएं बढ़ाने तथा गरीब और मध्यम वर्ग के लिए बेहतर स्वास्थ्य व्यवस्था सुनिश्चित करने की मांग की।

मोर्चा ने ई–20 (ई 20) पेट्रोल नीति सहित आम जनता को प्रभावित करने वाली विभिन्न नीतियों पर भी सवाल उठाते हुए कहा कि किसी भी बड़े निर्णय को लागू करने से पहले उसके सामाजिक, आर्थिक और व्यावहारिक प्रभावों पर व्यापक चर्चा होनी चाहिए, ताकि आम नागरिकों पर अनावश्यक बोझ न पड़े।

सभा में यह भी निर्णय लिया गया कि यदि जनहित से जुड़े मुद्दों पर सकारात्मक पहल नहीं की गई, तो संगठन प्रदेशभर में जनजागरण अभियान चलाकर व्यापक लोकतांत्रिक आंदोलन को आगे बढ़ाएगा।

बैठक में उमरा खास के सेक्टर प्रभारी प्रेम शंकर राठौर, आशीष सिंह राठौर, नवीन दुबे, रवि सिंह, अभय देव शुक्ल, विनय सिंह, यशवंत सिंह रोलू, अवधेश मिश्रा, अमरदीप पाण्डेय, प्रमोद सिंह, संजय शुक्ल, अमितेष प्रताप सिंह, रवीन्द्र पाण्डेय, उदय प्रताप सिंह, त्रिवेणी पाण्डेय, सिद्धार्थ त्रिपाठी के साथ ही मोर्चा के सेक्टर प्रभारी और स्थानीय नागरिक उपस्थित रहे।

संत रविदास ने सामाजिक समरसता, समानता, मानवता का संदेश दिया—अभिषेक कुमार

—भारतीय बस्ती संवाददाता—

बस्ती। रविवार को भारतीय जनता पार्टी द्वारा संत शिरोमणि रविदास की 650वीं जयंती के उपलक्ष्य में महादेवा विधानसभा क्षेत्र के महसो मण्डल के ग्राम पंचायत सोनूपार सें मिट्टी से भरे कलश के साथ वंदन यात्रा एवं समरसता संकल्प अभियान शुरू किया गया।

कार्यक्रम के जिला संयोजक भाजपा के जिला महामंत्री और साऊंघाट के ब्लाक प्रमुख अभिषेक कुमार ने बताया कि वंदन यात्रा का सोनूपार, मदारीपुर, साहूपार, सूसीपार, भरोहियाजोत, टिकरिया आदि स्थानों पर लोगों ने भव्य स्वागत किया। यह यात्रा महादेवा विधानसभा क्षेत्रों के सभी मण्डलों तक जायेगी।

—महादेवा विधानसभा क्षेत्र में वंदन यात्रा, समरसता संकल्प अभियान शुरू

भाजपा नेता अभिषेक कुमार ने कहा कि संत गुरु रविदास ने अपने जीवनभर सामाजिक समरसता, समानता और मानवता का संदेश दिया। उनका जीवन समाज के अंतिम व्यक्ति के सम्मान और उत्थान के लिए समर्पित रहा। यह अभियान समाज में समरसता, सद्भाव और राष्ट्र निर्माण के संकल्प को और अधिक सशक्त बनाने का माध्यम बनेगा। कहा कि संत रविदास की शिक्षाएं आज भी उतनी ही प्रासंगिक हैं जितनी उनके समय में थीं। उन्होंने जाति–पांति और ऊंच–नीच के भेदभाव से ऊपर उठकर प्रेम, समानता और भाईचारे का संदेश दिया। भाजपा उनके विचारों को जन–जन तक पहुंचाने के लिए निरंतर कार्य कर रही है।

महसो मण्डल अध्यक्ष वेद प्रकाश त्रिपाठी ने कहा कि यह वंदन यात्रा केवल एक धार्मिक या सांस्कृतिक कार्यक्रम नहीं, बल्कि सामाजिक समरसता का जन–जागरण अभियान है। युवा पीढ़ी को संत रविदास के आदर्शों से प्रेरणा लेकर सामाजिक एकता, राष्ट्रभक्ति और सेवा के भाव को अपने जीवन में आत्मसात करना चाहिए।

इस अवसर पर सुनील पाण्डेय, चन्द्रशेखर मुन्ना, सतीश सोनकार, राजकुमार चौधरी, शशि भूषण तिवारी, प्रमोद गिरी, रवि श्रीवास्तव, अजय ठाकुर, त्रियुगीनरायन, शिवकुमार, गोपाल, सन्तोष, अर्जुन कन्नौजिया के साथ ही भाजपा के अनेक नेता और स्थानीय नागरिक शामिल रहे।

भूमि विवाद के कारण फर्जी मुकदमों में फंसाने का आरोप, एसपी से न्याय दिलाने की मांग

—भारतीय बस्ती संवाददाता—

बस्ती। मुण्डेरवा थाना क्षेत्र के अण्डा गांव निवासी सफीउल्लाह पुत्र स्व. किताबुल्लाह ने पुलिस अधीक्षक को शिकायती पत्र देकर भूमि विवाद में उन्हें फर्जी मुकदमों में फंसाने का आरोप लगाया है। उन्होंने पूरे प्रकरण की निष्पक्ष जांच कराते हुए घटना स्थल के सीसीटीवी फुटेज सुरक्षित कराने तथा दोषियों के विरुद्ध कार्रवाई की मांग की है।

शिकायती पत्र में कहा गया है कि गत 29 जुलाई 2026 की रात करीब 8 बजे गाटा संख्या 358 की भूमि पर कुछ लोग कथित रूप से रखा हुआ पतरा क्षतिग्रस्त कर रहे थे। सूचना मिलने पर डायल–112 पुलिस मौके पर पहुंची। सफीउल्लाह का कहना है कि उन्होंने न्यायालय के आदेश भी पुलिस को दिखाए, लेकिन विवाद समाप्त नहीं हुआ। सफीउल्लाह का आरोप है कि उसी रात गांव निवासी इसरार पर लोहे की रॉड से जानलेवा हमला किया गया, लेकिन घटना के समय वह अपने घर पर मौजूद थे। गांव के ही दबंग भू–माफिया सज्जाक, रमजान, जावेद, परवेज, जमशेद, मोबीन, सलमान, शमशाद आदि ने उनके साथ षड़यंत्र किया। इसके चलते पुलिस ने उन्हें इस मामले में मुख्य आरोपी बना दिया। उनका कहना है कि भूमि की पैमाइश के लिए राजस्व विभाग से आदेश होने के बावजूद पैमाइश नहीं कराई गई। उसने आरोप लगाया कि 9 जुलाई को उनके खिलाफ फर्जी मुकदमा दर्ज करा दिया गया और 15 जुलाई को बिना न्यायालय के वारंट के उन्हें अण्डा चौराहे से जबरन गिरफ्तार कर धारा 151 के तहत चालान कर दिया गया।

उन्होंने यह भी आरोप लगाया कि उनके भाई का मोबाइल फोन पुलिस ने कब्जे में लेकर उसमें मौजूद ऑडियो–वीडियो रिकॉर्डिंग डिलीट कर दी और अब तक वापस नहीं किया गया। शिकायत में यह भी कहा गया है कि 29 जुलाई और 31 जुलाई की घटनाओं में भी उन्हें मुख्य आरोपी बनाया गया, जबकि संबंधित स्थानों पर लगे सीसीटीवी कैमरों की फुटेज से वास्तविक स्थिति स्पष्ट हो सकती है। सफीउल्लाह का दावा है कि 31 जुलाई की शाम जिस समय मारपीट की घटना दर्ज की गई, उस समय वह एसडीएम न्यायालय में मौजूद थे। सफीउल्लाह ने यह भी आरोप लगाया कि भूमि विवाद के चलते विपक्षी पक्ष लगातार दबाव बना रहा है और फर्जी मुकदमों में फंसाकर जमीन का बैनामा कराने की धमकी दे रहा है। उन्होंने यह भी आरोप लगाया कि इसरार पर हुए हमले के बावजूद उसकी तहरीर पर मुकदमा दर्ज नहीं किया गया। पुलिस अधीक्षक से की गई शिकायत में सफीउल्लाह ने घटना स्थलों के सीसीटीवी फुटेज की जांच, संबंधित रिकॉर्ड उपलब्ध कराने तथा नामजद आरोपियों के विरुद्ध निष्पक्ष कानूनी कार्रवाई की मांग की है।

"मुझे अखबार निकालने दो तो मैं इस बात की परवाह नहीं करता कि कौन धर्म का नियामक है और कौन कानून का निर्माता"—वेंडेल फिलिप्स

दैनिक
भारतीय बस्ती
बस्ती 3 अगस्त 2026 सोमवार

सम्पादकीय

इथेनॉल का मुद्दा

पेट्रोलियम पदार्थों के विदेशों से आयात पर देश की अत्यधिक निर्भरता हमेशा गंभीर चिंता का विषय रही है। खासकर, हालिया पश्चिम एशिया संकट के दौरान हॉर्मूज खाड़ी में कच्चे तेल व गैस टैंकरों की आवाजाही पर रोक ने स्थिति की गंभीरता को दर्शाया। ऐसे में केंद्र सरकार द्वारा पेट्रोल को लेकर आत्मनिर्भरता बढ़ाने के लिये इसमें इथेनॉल मिलाने का विकल्प चुना। लेकिन आज इसके साइड इफेक्ट को लेकर देश में चिंता बनी हुई है। लोगों का आरोप है कि इससे वाहनों की माइलेज कम हुई है। कुछ की आशंका है कि गाड़ियों के रखरखाव की लागत बढ़ी है। दरअसल, इसकी वजह इथेनॉल के उपयोग को लेकर किसी प्रामाणिक अध्ययन का सामने न आना भी रहा है। ऐसे में अब जब केंद्र सरकार ने संसद में स्वीकार किया है कि उसने अभी तक ऐसा कोई आकलन नहीं किया है, जिससे पता चल सके कि देश में कितने वाहन ई–20 यानी अस्सी प्रतिशत पेट्रोल व बीस प्रतिशत इथेनॉल के अनुकूल हैं, तो सवाल उठना स्वाभाविक है। इससे यह बात साबित होती है कि देश के हरित ऊर्जा के लक्ष्यों और जमीनी स्तर की तैयारियों के बीच कितना अंतर है। ऐसे में वाहनों की प्रामाणिक गिनती या सर्वे के बिना देशव्यापी बदलाव के सफल होने की उम्मीद कैसे की जा सकती है? निस्संदेह ई–20 को बढ़ावा देने का उद्देश्य कच्चे तेल के आयात पर निर्भरता कम करना है। साथ ही कार्बन उत्सर्जन घटाना और भारत की बायोफ्यूल वाली अर्थव्यवस्था को भी मजबूत बनाना है। वहीं सरकार का कहना है कि बड़े पैमाने पर हुए अध्ययनों और फील्ड ट्रायल में यह वैकल्पिक ईंधन निर्धारित मानकों के तहत प्रयोग के लिये सुरक्षित पाया गया है। निस्संदेह, नियंत्रित स्थिति में हुए वैज्ञानिक परीक्षणों के परिणाम सकारात्मक हो सकते हैं। लेकिन जब लाखों वाहन चालकों को प्रभावित करने वाली किसी नीति का क्रियान्वयन किया जाता है तो जनता का विश्वास हासिल करने के लिये प्रामाणिक डेटा की भी जरूरत होती है।

बहरहाल, संसद में सरकार की स्वीकारोक्ति से इस नीति को लेकर विरोधाभास तो उजागर होता ही है। सरकार का दावा है कि पिछले कुछ सालों से बीस करोड़ दुपहिया वाहनों और तीन करोड़ से ज्यादा पेट्रोल से चलने वाली कारों में इथेनॉल मिश्रित पेट्रोल का इस्तेमाल किया जा रहा है। सरकारी दलील है कि इसके बावजूद कोई बड़ी समस्या सामने नहीं आई है। हालांकि, सरकार की ओर से यह जानकारी नहीं दी गई है कि जिन वाहनों को लेकर वह दावा कर रही है, उसमें कितने वाहन ई–20 के लिये डिजाइन या प्रमाणित थे। ऐसी किसी बुनियादी जानकारी के बिना, सुरक्षा और परफॉर्मेंस के बारे में दिए गए भरोसे के शब्द शायद ही लोगों को विश्वास दिला पाएं कि इथेनॉल मिश्रित पेट्रोल उनके लिये लाभकारी है। हाल के दिनों में पूरे देश से इथेनॉल के मुद्दे पर तीखी प्रतिक्रियाएं नजर आ रही हैं। मुद्दा सार्वजनिक विमर्श का विषय बना हुआ है। कुछ संगठन आंदोलन की चेतावनी भी दे रहे हैं। ट्रांसपोर्ट यूनियनों के विरोध, विपक्ष की इस मामले में पारदर्शिता की मांग और 'ई–20 जनता पार्टी' जैसे व्यंग्यात्मक ऑनलाइन कैंपेन लोगों की इस बाबत बढ़ती चिंता को ही दर्शाता है। ऐसे में सरकार को इस मुद्दे को समय रहते गंभीरता से लेने की जरूरत है। सही मायने में ग्राहकों को वारंटी सुरक्षा, लंबे समय तक रखरखाव के खर्च, इथेनॉल मिश्रित पेट्रोल की माइलेज और इंजन व अन्य उपकरण खराब होने की जिम्मेदारी के बारे में स्पष्ट जानकारी मिलनी ही चाहिए। इस बाबत सरकार द्वारा दी गई केवल सफाई भरोसे का आधार नहीं बन सकती। इसके लिये प्रामाणिक तथ्यों की भी जरूरत है। वहीं सरकार के इस बाबत संकेत से कि ज्यादा इथेनॉल मिश्रित पेट्रोल और फ्लेक्स–फ्यूल गाड़ियों के लिए प्रोडक्शन क्षमता बढ़ाई जा रही है,से यह पता जरूर चलता कि ई–20 आखिरी पड़ाव न हो। निश्चित रूप से इस तरह के किसी कदम के लिये जनता को विश्वास में लेने और डेटा आधारित पॉलिसी बनाने की जरूरत है। किसी नीति के लाभदायक होने के साथ ही जरूरी है लोगों को यह लगना कि उनकी चिंताओं पर ध्यान दिया जा रहा है।

आधुनिकता की अंधी दौड़

आधुनिकता की अंधी दौड़, महत्त्वाकांक्षाओं की चकाचौंध ने भारतीय समाज के उस सबसे मजबूत स्तंभ को झकझोर कर रख दिया है, जिसे कभी 'संयुक्त और सुखी मध्यवर्गीय परिवार' कहा जाता था। आज स्थिति यह है कि जिस मध्यवर्ग को समाज की रीढ़ माना जाता था, वह खोखला होता जा रहा है। घरों के भीतर भौतिक सुख–सुविधाओं के अंबार तो लग गए हैं, लेकिन आपसी संवाद, प्रेम, अपनापन और मानसिक शांति गायब होती जा रही है। महंगाई के इस दौर में ज्यादा से ज्यादा कमाने की होड़ या मजबूरी, एकल परिवारों का बढ़ता चलन, शादी जैसी संस्था से युवाओं का मोहभंग, सड़कों पर उफनता आक्रोश और असफलता के डर से असमय टूटता बाल–मन आज के भारतीय मध्यवर्ग का एक ऐसा कड़वा सच बन चुका है, जिस पर गहराई से विचार करना और अपनी विचार–पद्धति को बदलना समय की सबसे बड़ी मांग है।

आज का मध्यवर्गीय परिवार 'जीवन जीने' के बजाय 'जीवन चलाने' के संघर्ष में उलझ चुका है। उपभोक्तावाद ने समाज में इस कदर पैर पसारे हैं कि हर व्यक्ति बेहतर कार, आलीशान घर, महंगे गैजेट और बच्चों के लिए महंगे निजी स्कूल की अभीप्सा रखने लगा है। इन चाहतों को पूरा करने के लिए पति–पत्नी, दोनों का नौकरी करना अनिवार्य हो जाता है। सुबह की पहली किरण के साथ ही घरों में जो आपाधापी शुरू होती है, वह रात को सोने तक थमने का नाम नहीं लेती। कभी दादा–दादी या संयुक्त परिवार की छांव में पलने वाले बच्चे अब क्रेच या आया के भरोसे बड़े हो रहे हैं। यह स्थिति एक ऐसे तनाव को जन्म दे रही है, जहां समृद्धि तो बढ़ रही है, पर अपनों का साथ छूट रहा है। शाम को जब परिवार के सदस्य घर लौटते हैं, तो संवाद की जगह मोबाइल स्क्रीन और लैपटॉप ले लेते हैं। इस अंधी दौड़ ने इंसान को भावनात्मक रूप से खाली कर दिया है।

पारंपरिक भारतीय समाज की पहचान उसकी सहृदयता और संयुक्त परिवार व्यवस्था थी, जहां सुख और दुख मिलकर बांटे जाते थे। पिछले कुछ दशकों में यह ताना–बाना बिखर गया। पहले संयुक्त परिवार टूटे और फिर तीन सदस्यों वाले एकल परिवारों का चलन हुआ। अब समाज 'एकाकी जीवन' की तरफ बढ़ रहा है। परिवार का आकार छोटा हो गया है और कुटुंब संबल बनने के बजाय दबाव बन गया है। ऐसा लगता है कि सोशल मीडिया और अन्य माध्यमों पर परोसी जाने वाली सामग्रियों ने लोगों के भीतर किसी भी रिश्ते में लंबे समय तक टिकने के धैर्य को खत्म कर दिया है। बढ़ती क्रय शक्ति ने मध्यवर्ग के हाथों में गाड़ियां, महंगे साधन और पैसा तो दे दिया, लेकिन इसके साथ ही समाज में एक अदम्य अहं को भी जन्म दिया है। हर व्यक्ति मानो यह मानकर चल रहा है कि वह हर काम में सक्षम है, सर्वज्ञाता है और उसे किसी की सलाह या रोक–टोक की कोई आवश्यकता नहीं है। जब हम बच्चों को असफल होने पर भी गले लगाना सीख जाएंगे, सड़कों पर अपने उग्र अहंकार को पीछे छोड़ देंगे, 'कम' में भी 'संतोष' की कला सीख लेंगे और अपने से कम काबिल, कम पढ़े–लिखे और अवसरों से वंचित लोगों का भी सम्मान करना शुरू कर देंगे, तभी हमारे घर सचमुच 'सुख के आशियाने' बन पाएंगे। बदलाव की शुरुआत किसी बाहरी नीति से नहीं, बल्कि हमारे अपने घर से होगी।

एनडीए सांसदों के मंगल मिलन के सियासी निहितार्थ

— कमलेश पाण्डेय—

केंद्र में पिछले 12 वर्षों से सत्तारूढ़ भारतीय जनता पार्टी के नेतृत्व वाली राष्ट्रीय जनतांत्रिक गठबंधन (एनडीए) सरकार इन दिनों पुनः उस एकजुट विपक्ष के निशाने पर है, जिसे वह अबतक चुनावी सियासी पाट पर पछाड़ते आई है। लेकिन जिस तरह से बहुरूपिया विपक्ष कभी मुसलमानों के छद्म वेश में, कभी किसानों के रूप में और कभी छात्रों के छद्म वेश में जिस तरह से मोदी सरकार को घेरने पर तुला हुआ है, उसके पीछे विदेशी हाथ से इंकार नहीं किया जा सकता है। फिर भी सरकार सबसे जूझ रही है! हाल ही में छात्र आंदोलन की कथित सफलता से घबराई सरकार ने जिस तरह से अपने ओबीसी रणनीतिकार शिक्षा मंत्री की राजनीतिक बलि चढ़ाई है, और इससे उत्साहित कॉकरोच जनता पार्टी के नेता अभिजीत दीपके ने जिस घमंड का प्रदर्शन किया, उससे विपक्ष उत्साहित है। यही वजह है कि अब प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी और गृहमंत्री अमित शाह को सीधे निशाने पर लिया जाने लगा है।

नेता प्रतिपक्ष राहुल गांधी ने जिस तरह से प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी को भारत का अतीत और खुद देश का भविष्य करार दिया है, उसके मुताल्लिक इतना ही इशारा करना काफी होगा कि भाजपा के चाणक्य अमित शाह ने देश का भविष्य तय कर दिया है और बिहार के मुख्यमंत्री सम्राट चौधरी को आगे करके एक तीर से कई शिकार करने की योजना बनाई है, क्योंकि भाजपा की ओबीसी राजनीति में श्री चौधरी अपने नैसर्गिक सियासी गुणों के चलते फिट बैठते हैं। ये अभी अंदरखाने की बात है, लेकिन राहुल गांधी को आगाह करने के लिए मैंने इस सच्चाई को डिस्क्लोज कर दिया है, जो हिंदी पट्टी के मिजाज पर फिट बैठता है। शायद यही वजह है कि भाजपा नेतृत्व ने अपने सर्वाधिक संकटग्रस्त काल से गुजरते हुए अपने सांसदों और सहयोगी सांसदों को याद किया, जिसे राजनीतिक गलियारे में एनडीए सांसदों के भ्रमंगल मिलन की उपमा दी गई है। हालांकि यह अनौपचारिक बैठक, संवाद या सामूहिक कार्यक्रम संसद सत्र के दौरान हरेक मंगलवार को आहूत होती है। हालिया एनडीए संसदीय दल की 'मंगल मिलन' बैठक गत 28 जुलाई 2026 (मंगलवार) को, संसद के मानसून सत्र के दौरान हुई।

यह 'मंगल मिलन' नाम से आयोजित होने वाली नियमित मंगलवार की संसदीय दल की बैठक थी। जो नई दिल्ली में संसद पुस्तकालय भवन के जीएमसी बालयोगी ऑडिटोरियम में संपन्न हुई। इस बैठक में प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी, गृह मंत्री अमित शाह, रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह, सड़क परिवहन मंत्री नितिन गडकरी, संसदीय कार्य मंत्री तथा एनडीए के अनेक सांसद और वरिष्ठ नेता उपस्थित रहे।

इसमें एनडीए के सभी प्रमुख घटक दलों के सांसद शामिल हुए, जिनमें प्रमुख रूप से भारतीय जनता पार्टी जनता दल (यूनाइटेड) तेलगु देशम पार्टी, लोक जनशक्ति पार्टी (रामविलास) हिंदुस्तानी आवाम मोर्चा, अपना दल (सोनेलाल) अन्य एनडीए सहयोगी दलों के सांसद शामिल हुए। खास बात यह कि पहली बार नेशनलिस्ट सिटीजन्स पार्टी ऑफ इंडिया के सांसद भी बैठक में शामिल हुए, क्योंकि पार्टी को हाल में एनडीए का सहयोगी बनाया गया है। इस बैठक की सबसे चर्चित बात सांसदों की पहली भागीदारी रही, जिसे एनडीए के विस्तार और संसद में संख्या एवं राजनीतिक समन्वय को मजबूत करने के संकेत के रूप में देखा गया।

इस मंगल मिलन के कई राजनीतिक और संगठनात्मक संकेत, मायने निकलकर सामने आते हैं– पहला, संगठनात्मक एकजुटता का प्रदर्शनरू यह विपक्ष और सहयोगी दलों को संदेश कि एनडीए के सभी घटक दल एकजुट हैं और सरकार के साथ मजबूती से खड़े हैं। दूसरा, संसद सत्र की रणनीति– संसद में सरकार के विधेयकों, विपक्ष की रणनीति और विभिन्न मुद्दों पर साझा रुख तय करने का अवसर समझा जाता है। तीसरा, आगामी चुनावों की तैयारी– देश के अन्य राज्यों में होने वाले चुनावों से पहले सांसदों को बूथ स्तर तक सक्रिय रहने और जनता से संवाद बढ़ाने का संदेश दिया गया।

चौथा, सरकार की उपलब्धियों का प्रचाररू सांसदों को निर्देश दिया जा सकता है कि वे अपने–अपने क्षेत्रों में सरकार की योजनाओं और उपलब्धियों को अधिक प्रभावी ढंग से जनता तक पहुँचाएं। पांचवां, सहयोगी दलों को महत्वरू एनडीए में शामिल छोटे और क्षेत्रीय दलों को सम्मान और भागीदारी का संदेश देकर गठबंधन को मजबूत बनाए रखना है। छठा, विपक्षी इंडिया गठबंधन को राजनीतिक संदेश– यह दिखाना कि एनडीए में नेतृत्व को लेकर कोई असमंजस नहीं है और गठबंधन स्थिर है। सातवां, 2029 की दीर्घकालिक रणनीतिरू केवल वर्तमान राजनीतिक चुनौतियों पर नहीं, बल्कि अगले लोकसभा चुनाव तक संगठन और जनसंपर्क को मजबूत करने की दिशा में तैयारी।

उल्लेखनीय है कि भारतीय राजनीति में ऐसे कार्यक्रम अक्सर केवल सामाजिक मेल–मिलाप नहीं होते, बल्कि इनके माध्यम से राजनीतिक संदेश दिए जाते हैं, सांसदों का मनोबल बढ़ाया जाता है, संगठनात्मक अनुशासन मजबूत किया जाता है, और भविष्य की रणनीति पर अनौपचारिक चर्चा होती है। इसलिए 'मंगल मिलन' को केवल सांस्कृतिक या सामाजिक आयोजन के बजाय राजनीतिक समन्वय, गठबंधन प्रबंधन और चुनावी तैयारी के एक महत्वपूर्ण मंच के रूप में भी देखा जा सकता है।

भीड़ नियंत्रण और संवैधानिक कसौटी

—कुमार कृष्णन—

लोकतंत्र की शक्ति उसकी राज्यसत्ता में नहीं बल्कि असहमति को स्वीकार करने की क्षमता में निहित होती है। चुनाव लोकतांत्रिक व्यवस्था को वैधता अवश्य देते हैं, किंतु उसकी वास्तविक परिपक्वता इस बात से मापी जाती है कि वह विरोध, प्रतिरोध और नागरिक असहमति के साथ कैसा व्यवहार करता है। किसी भी लोकतांत्रिक समाज में धरना, प्रदर्शन, रैली और जनसभा केवल राजनीतिक कार्यक्रम नहीं होतेय वे नागरिकों और राज्य के बीच संवाद के संवैधानिक माध्यम हैं। इसलिए जब किसी प्रदर्शन को नियंत्रित करने के लिए राज्य बल प्रयोग करता है, तब प्रश्न केवल कानून–व्यवस्था का नहीं रह जाता बल्कि नागरिक स्वतंत्रता, मानवाधिकार और संविधान की आत्मा से जुड़ जाता है। दिल्ली के जंतर–मंतर पर आयोजित "चलो संसद" प्रदर्शन के दौरान पैलेट गन के कथित उपयोग को लेकर सर्वोच्च न्यायालय में दायर याचिका ने इसी मूल प्रश्न को राष्ट्रीय बहस के केंद्र में ला खड़ा किया है। पूर्व भारतीय पुलिस सेवा (आईपीएस) अधिकारी और खुफिया ब्यूरो के पूर्व विशेष निदेशक यशोवर्धन आजाद सहित याचिकाकर्ताओं ने आरोप लगाया है कि प्रदर्शनकारियों पर बिना पर्याप्त चेतावनी ऐसे प्रक्षेपास्त्रों का प्रयोग किया गया जिससे अनेक लोग घायल हुए। याचिका में नागरिक प्रदर्शनों के दौरान धातुयुक्त पैलेट के प्रयोग पर रोक, घायलों के उपचार, पुनर्वास और मुआवजे की मांग की गई है। दूसरी ओर, रैपिड एक्शन फोर्स (आरएएफ) ने इन आरोपों का सार्वजनिक रूप से खंडन करते हुए कहा है कि भीड़ नियंत्रण के लिए केवल स्वीकृत गैर–घातक साधनों का उपयोग किया गया। इन परस्पर विरोधी दावों के बीच सर्वोच्च न्यायालय ने न तो किसी पक्ष को दोषी ठहराया है और न ही किसी निष्कर्ष पर पहुंचने की जल्दबाजी दिखाई है। न्यायालय ने केवल केंद्र सरकार और संबंधित अधिकारियों से जवाब मांगा है तथा उपलब्ध अभिलेखों और प्रयुक्त सामग्री को सुरक्षित रखने का निर्देश दिया है। यही संवैधानिक न्यायशास्त्र की पहचान है निर्णय आरोपों या जनभावना से नहीं, बल्कि साक्ष्य और विधि के आधार पर दिए जाते हैं।

इस पूरे विवाद का सबसे महत्वपूर्ण पक्ष यह है कि सर्वोच्च न्यायालय वस्तुतः केवल एक उपकरण की वैधता पर विचार नहीं कर रहा बल्कि उस व्यापक संवैधानिक प्रश्न पर भी विचार कर रहा है कि लोकतांत्रिक राज्य अपने नागरिकों के साथ बल प्रयोग की सीमा कहाँ तक निर्धारित कर सकता है। यह प्रश्न नया नहीं है। भारतीय संविधान की रचना के समय से ही यह स्वीकार किया गया था कि राज्य को सार्वजनिक व्यवस्था बनाए रखने का अधिकार होगा किंतु यह अधिकार निरंकुश नहीं होगा।संविधान ने शक्ति और स्वतंत्रता के बीच संतुलन को लोकतांत्रिक शासन का मूल सिद्धांत बनाया है।

अनुच्छेद 19(1)(क) प्रत्येक नागरिक को अभिव्यक्ति की स्वतंत्रता देता है, जबकि अनुच्छेद 19(1)(ख) शांतिपूर्वक और निःशस्त्र सभा करने का अधिकार सुनिश्चित करता है। इन अधिकारों पर युक्तिसंगत प्रतिबंध लगाए जा सकते हैं, परंतु वे प्रतिबंध राज्य की सुविधा से नहीं, बल्कि संविधान द्वारा निर्धारित सीमाओं से संचालित होते हैं। इसका अर्थ यह है कि राज्य कानून–व्यवस्था बनाए रखने के नाम पर नागरिक स्वतंत्रताओं को अनावश्यक रूप से सीमित नहीं कर सकता। लोकतंत्र में व्यवस्था की रक्षा और स्वतंत्रता की सुरक्षाक्ष दोनों समान रूप से आवश्यक हैं। यही कारण है कि आधुनिक लोकतंत्रों में भीड़ नियंत्रण का सबसे महत्वपूर्ण सिद्धांत "न्यूनतम आवश्यक बल" माना जाता है। इसका आशय यह है कि राज्य केवल उतनी ही शक्ति का प्रयोग करे जितनी स्थिति को नियंत्रित करने के लिए अपरिहार्य हो। यदि संवाद, चेतावनी, मध्यस्थता या अन्य कम जोखिम वाले उपाय उपलब्ध हों, तो अधिक हानिकारक साधनों का प्रयोग अंतिम विकल्प होना चाहिए। बल प्रयोग का औचित्य उसकी मात्रा से नहीं, बल्कि उसकी आवश्यकता, अनुपातिकता और जवाबदेही से तय होता है।

पूर्व पुलिस आयुक्त किरण बेदी की यह टिप्पणी इसी संदर्भ में उल्लेखनीय है कि प्रत्येक विरोध प्रदर्शन का उत्तर बल प्रयोग नहीं हो सकता। लोकतांत्रिक पुलिसिंग का आधार संवाद, विश्वास और मध्यस्थता होना चाहिए। यदि किसी स्थिति में बल प्रयोग अपरिहार्य हो भी जाए, तो उसका प्रत्येक चरण स्पष्ट मानक संचालन प्रक्रिया के अधीन होना चाहिए और बाद में उसकी स्वतंत्र समीक्षा भी संभव होनी चाहिए। आधुनिक पुलिस व्यवस्था की विश्वसनीयता उसकी कठोरता से नहीं, बल्कि उसके संयम से बनती है। पैलेट गन को मूलतः अपेक्षाकृत कम घातक भीड़ नियंत्रण उपकरण के रूप में विकसित किया गया था। इसका उद्देश्य किसी व्यक्ति की जान लेना नहीं, बल्कि हिंसक भीड़ को तितर–बितर करना है। किंतु किसी भी सुरक्षा उपकरण की स्वीकार्यता उसके घोषित उद्देश्य से नहीं, बल्कि उसके वास्तविक प्रभाव से निर्धारित होती है। यदि उसके प्रयोग से स्थायी दृष्टिहानि, गंभीर शारीरिक विकलांगता या अपूरणीय स्वास्थ्य क्षति की आशंका बनी रहती हो, तो उसे केवल "कम घातक" कह देना पर्याप्त नहीं हो सकता।

भारत में इस विषय पर सबसे गंभीर बहस जम्मू–कश्मीर में पैलेट गन के व्यापक उपयोग के बाद सामने आई थी। अनेक लोगों की आंखों की रोशनी चली गई, बड़ी संख्या में नागरिक गंभीर रूप से घायल हुए और चिकित्सकों ने इसे सार्वजनिक स्वास्थ्य तथा मानवाधिकारकुदोनों की दृष्टि से गंभीर चिंता का विषय बताया। उसी अनुभव की पृष्ठभूमि में जंतर–मंतर की घटना ने यह प्रश्न पुनः खड़ा किया है कि क्या ऐसा उपकरण, जिसकी दिशा और प्रभाव पूरी तरह नियंत्रित नहीं किया जा सकता, नागरिक प्रदर्शनों में स्वीकार्य भीड़ नियंत्रण साधन माना जा सकता है। याचिकाकर्ताओं का तर्क है कि पैलेट गन की सबसे बड़ी तकनीकी सीमा उसकी अनिश्चितता है। ट्रिगर दबते ही अनेक धातु कण अलग–अलग दिशाओं में फैल जाते हैं, जिससे यह सुनिश्चित करना लगभग असंभव हो जाता है कि वे किस व्यक्ति को, शरीर के किस हिस्से पर और कितनी तीव्रता से चोट पहुँचाएँगे। ऐसी स्थिति में केवल प्रदर्शनकारी ही नहीं बल्कि पत्रकार, राहगीर और अन्य निर्दोष नागरिक भी इसकी चपेट में आ सकते हैं। यदि ऐसा है, तो प्रश्न केवल एक हथियार का नहीं, बल्कि राज्य द्वारा अपनाई गई भीड़ नियंत्रण नीति की संवैधानिक वैधता का बन जाता है।

दरअसल, लोकतंत्र का संकट तब नहीं पैदा होता जब नागरिक विरोध करते हैंय संकट तब पैदा होता है जब राज्य विरोध को केवल कानून–व्यवस्था की समस्या मानने लगता है। असहमति लोकतंत्र की कमजोरी नहीं, उसकी जीवनशक्ति है। इसलिए किसी भी लोकतांत्रिक शासन की पहली प्रतिक्रिया संवाद होनी चाहिए, दमन नहींय संवैधानिक धैर्य होना चाहिए, शक्ति का प्रदर्शन नहीं। यही वह कसौटी है जिस पर जंतर–मंतर का विवाद भारतीय लोकतंत्र और उसकी पुलिस व्यवस्था दोनों को परखने का अवसर प्रदान करता है।

असम की उफनती नदियाँ और मानवता के मध्य संघर्ष

दुर्गेश्वर राय

असम में एक बार फिर प्रकृति ने अपना विकराल रूप दिखाया है लेकिन अब धीरे–धीरे हालात सुधरने लगे हैं और जीवन अपनी पुरानी पटरी पर लौटने का कठिन संघर्ष कर रहा है। बाढ़ का प्रकोप अब कम हो रहा है और राज्य में सबसे अधिक प्रभावित जिलों की संख्या घटकर केवल छह रह गई है, जिनमें शिवसागर, गोलाघाट, चराइदेव, जोरहाट, नागांव और कामरूप महानगरपालिका शामिल हैं। फिर भी, इक्कीस राजस्व सर्किलों के अंतर्गत आने वाले लगभग छह सौ इकतीस गाँवों में चार लाख पैंतालीस हजार से अधिक लोग अभी भी इस जल–प्रलय के प्रत्यक्ष या अप्रत्यक्ष प्रभाव का सामना कर रहे हैं यद्यपि राज्य के अधिकांश हिस्सों में बाढ़ का पानी कम होने लगा है तथा प्रशासन और अधिकारी प्रभावित क्षेत्रों में राहत तथा पुनर्स्थापन कार्यों में पूरे मनोयोग से जुटे हुए हैं।

शिवसागर जैसे ऐतिहासिक शहर में, जहां दारिका और दिखौ नदियों का पानी अब उतर चुका है, सामान्य स्थिति बहाल करने के प्रयास तेज कर दिए गए हैं। हालांकि शहर के कुछ वार्डों से पानी पूरी तरह नहीं निकला है, फिर भी अधिकांश हिस्सों में बिजली आपूर्ति का बहाल होना एक सकारात्मक और उम्मीद जगाने वाला संकेत है। राज्य आपदा प्रतिक्रिया बल और राष्ट्रीय आपदा प्रतिक्रिया बल की मुस्तैदी से आसपास के क्षेत्रों में बाढ़ प्रभावित लोगों के बीच राहत सामग्री का वितरण निरंतर और पूरी गति से जारी है। इस गंभीर परिस्थिति को संज्ञान में लेते हुए प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने भी असम के सांसदों के साथ उच्च स्तरीय चर्चा की है और केंद्र सरकार की ओर से प्रभावित लोगों की सहायता के लिए राज्य सरकार के साथ कंधे से कंधा मिलाकर काम करने का आश्वासन दिया गया है।

इन बाढ़ों में सिर्फ राहत–बचाव–मुआवजा से कम नहीं चलने वाला है। इस बात पर विचार करने की जरुरत हैं कि आखिर यह जल–प्रलय इतनी तीव्र और विनाशकारी क्यों थी। यह मुख्य रूप से उच्च तीव्रता वाली लगातार बारिश का नतीजा थी, जहां छह सौ पचास मिलीमीटर तक की भारी जलवृष्टि दर्ज की गई। 19 जुलाई के आसपास जब पानी का स्तर अचानक तेजी से बढ़ना शुरू हुआ, तो शिवसागर, चराईदेव और जोरहाट जैसे जिले सबसे पहले इसकी भयानक चपेट में आ गए। इसके पीछे एक बड़ा कारण ऊपरी ब्रह्मपुत्र और उसकी प्रमुख सहायक नदियों में आया अप्रत्याशित उफान था। नागालैंड की नागा पहाड़ियों से निकलकर शिवसागर में मिलने वाली दिखौ नदी हो, या पटकाई बूम से निकलकर ब्रह्मपुत्र में समाहित होने वाली दिसांग नदी, और बराइल पहाड़ियों से बहकर आने वाली धनसिरी नदी, इन सभी ने अपने जलग्रहण क्षेत्रों में हुई मूसलाधार बारिश के कारण विकराल रूप धारण कर लिया। जब ये नदियाँ तेज बहाव युक्त पानी लेकर ब्रह्मपुत्र नदी में मिलने को पहुँची तो बह्मपुत्र का जलस्तर पहले ही काफी बढ़ा था। फिर क्या था इन्होने असम के मैदानी इलाकों को जलमग्न कर दिया, जिसके परिणामस्वरूप शुरुआती दौर में बारह जिलों के आठ सौ छप्पन गांवों के लगभग दो लाख लोग बुरी तरह प्रभावित हुए, पचास हजार से अधिक लोगों को राहत शिविरों में शरण लेनी पड़ी और 75 से अधिक लोगों को अपनी बहुमूल्य जान गंवानी पड़ी।

नदियां प्राकृतिक रूप से ही उग्र नहीं होतीं। इस विभीषिका के पीछे मानवीय हस्तक्षेप और हमारी व्यवस्थागत त्रुटियों की भूमिका बेहद चिंताजनक रही है। बाढ़ के इन मूल कारणों की गहराई में जाने पर हम पाते हैं कि अंधाधुंध अवैध खनन और वनों की अनियंत्रित कटाई ने इस समस्या को कई गुना अधिक भयंकर बना दिया है। जंगल और पेड़ प्राकृतिक रूप से वर्षा के पानी को सोखने और उसके तेज बहाव को धीमा करने का महत्वपूर्ण कार्य करते हैं, लेकिन जिस निर्ममता से इन हरे आवरणों को नष्ट किया गया है, उसने पहाड़ों और मैदानी इलाकों की इस प्राकृतिक रक्षा ढाल को बेहद कमजोर कर दिया है। इसके समानांतर, नदियों के किनारों और उनके बेसिन क्षेत्रों में होने वाले बेतहाशा अवैध खनन से भारी मात्रा में मिट्टी का कटाव हुआ है। यह कटी हुई मिट्टी और गाद बहकर नदियों के तल में जमा हो गई है, जिससे नदियां लगातार उथली होती जा रही हैं। जब नदियों की गहराई और उनकी जल धारण क्षमता कम हो जाती है, तो थोड़ी सी भी अतिरिक्त बारिश होने पर पानी किनारों को तोड़कर आसपास की बस्तियों और खेतों में घुस जाता है। यह स्थिति इस बात का स्पष्ट प्रमाण है कि यह केवल एक प्राकृतिक आपदा नहीं है, बल्कि हमारे पारिस्थितिक तंत्र के साथ किए गए निरंतर और अमानवीय खिलवाड़ का एक दुखद परिणाम है।

जलभराव की इस विशाल त्रासदी ने कई ऐसी गंभीर चिंताओं को जन्म दिया है, जो केवल नदियों का पानी उतरने के साथ खत्म नहीं होने वाली हैं। सबसे बड़ी और तात्कालिक चुनौती प्रभावित क्षेत्रों तक पहुँच की रही है, जिसके कारण कई दुर्गम स्थानों पर राहत कार्यों में अवांछित देरी का सामना करना पड़ा। जब संपर्क मार्ग, सड़कें और पुल पानी में डूब जाते हैं या टूट जाते हैं, तो अंतिम व्यक्ति तक मदद पहुंचाना प्रशासन के लिए एक बहुत बड़ी और जटिल परीक्षा बन जाती है। इसके अलावा, बाढ़ का पानी कम होने के बाद प्रभावित इलाकों में महामारियों और जलजनित बीमारियों के फैलने का खतरा काफी बढ़ जाता है, जिससे आम जनमानस के स्वास्थ्य की सुरक्षा एक प्रमुख चिंता बनकर उभरती है। प्रभावित परिवारों, विशेषकर बच्चों और महिलाओं में कुपोषण की आशंका भी एक ऐसा संवेदनशील मुद्दा है जिस पर तत्काल ध्यान देने की आवश्यकता है, क्योंकि लोगों की खेती और घरों में रखे खाद्य भंडार पूरी तरह नष्ट हो चुके हैं। इन सभी जमीनी चुनौतियों के बीच, नीतिगत विफलताओं पर भी एक ईमानदार विमर्श आवश्यक हो जाता है कि आखिर दशकों से हर साल आने वाली इस आपदा के स्थायी समाधान के लिए हम एक सुदृढ़, वैज्ञानिक और दूरदर्शी नीति का निर्माण करने में क्यों पीछे रह जाते हैं।

इस समस्या से मुक्ति पाने और राज्य के भविष्य को सुरक्षित बनाने के लिए अब हमें केवल तात्कालिक राहत उपायों से आगे बढ़कर दीर्घकालीन और ठोस कदम उठाने की नितांत आवश्यकता है। इसके लिए सबसे पहली और अनिवार्य शर्त वृहद रूप से वनीकरण अभियान चलाने की है। नदियों के नाजुक पारिस्थितिक तंत्र को बचाने के लिए हर प्रकार के अवैध खनन पर पूर्ण और अत्यंत सख्त रोक लगानी होगी। इसके साथ ही, नदियों के पुनरुद्धार की व्यापक और वैज्ञानिक योजनाएं बनानी होंगी, जिनमें उनकी गाद निकालने और उनके प्राकृतिक प्रवाह को अतिक्रमण से मुक्त करने पर विशेष जोर दिया जाए। नदी के ऊपरी क्षेत्रों में स्थापित विभिन्न जल–विद्युत परियोजनाओं और बांधों का समुचित प्रबंधन भी उतना ही महत्वपूर्ण है, ताकि मानसून के दौरान पानी छोड़े जाने की प्रक्रिया नियंत्रित हो और निचले इलाकों में अचानक बाढ़ का खतरा न मंडराए।

हमें दीर्घकालीन शहरी नियोजन की दिशा में गंभीरता से विचार करना होगा, जहां बस्तियों, सड़कों और बुनियादी ढांचे का निर्माण नदियों के प्राकृतिक बाढ़ क्षेत्रों का सम्मान करते हुए किया जाए।

बाल-बाल बचीं सपा विधायक इंद्राणी वर्मा, नीलगाय से टक्कर में कार के परखच्चे उड़े

संवाददाता–बहराइच। सपा विधायक इंद्राणी वर्मा रविवार को बाल–बाल बच गईं। बहराइच से लखनऊ जाते समय उनकी कार एक नीलगाय से टकरा गई। इस हादसे में कार के परखच्चे उड़ गए लेकिन गनीमत रही कि इंद्राणी वर्मा और अन्य लोग बाल–बाल बच गए। बताया जा रहा है कि रफ्तार कम होने के चलते जान का नुकसान बच गया।

तीन अगस्त से उत्तर प्रदेश विधानसभा के मॉनसून सत्र की शुरुआत हो रही है। इसके एक दिन पहले यानी रविवार को श्रावस्ती जिले की भिनगा विधानसभा सीट से समाजवादी पार्टी की विधायक इंद्राणी वर्मा की जान बाल–बाल बच गई। बहराइच से लखनऊ जाते समय उनकी कार भीषण हादसे की शिकार हो गई। विधायक की कार एक नील गाय से टकरा गई। इस टक्कर में विधायक की कार के अगले हिस्से के परखच्चे उड़ गए। गनीमत रही कि इस हादसे में विधायक इंद्राणी वर्मा और कार में सवार अन्य सभी लोग सुरक्षित रहे। हालांकि कुछ लोगों को मामूली चोटें आई हैं। घटना, रविवार की सुबह बहराइच–लखनऊ राजमार्ग पर कैसरगंज क्षेत्र में हुई। बताया रहा है कि विधायक की सामान्य गति से कार आगे बढ़ रही थी तभी अचानक से एक नीलगाय सामने आ गई। यह सब इतनी जल्दी हुआ कि कार के ड्राइवर को संभलने का मौका ही नहीं मिला। कार नीलगाय से टकरा गई। हालांकि कार की रफ्तार कम होने के चलते लोगों जान बच गई। फिर भी इस हादसे में कार के परखच्चे उड़ गए। कार की हालत को देखकर लोगों को कोई बड़ा नुकसान न होने पर हैरत हो रही है। टक्कर काफी तेज थी। प्रत्यक्षदर्शियों का कहना है कि कार की रफ्तार नियंत्रित होने के कारण बड़ा हादसा टल गया। हादसे के समय कार में विधायक के साथ अन्य लोग भी सवार थे। सभी को मामूली चोटें आई हैं। किसी को गंभीर नुकसान नहीं पहुंचा है।

इस हादसे की सूचना मिलते ही एपीएस इंटरनेशनल स्कूल के प्रबंधक मशकूर हबीब ने विधायक इंद्राणी वर्मा के लिए तुरंत दूसरी कार की व्यवस्था की। इसके बाद विधायक दूसरी गाड़ी से लखनऊ के लिए रवाना हो गईं।

मुख्यमंत्री जन आरोग्य मेले मे 52 मरीजों की हुई जांच, डॉक्टरों ने मौके पर दी दवाएं

संवाददाता–बहराइच। नवाबगंज क्षेत्र स्थित चौगड़वा अतिरिक्त प्राथमिक स्वास्थ्य केंद्र पर रविवार को मुख्यमंत्री जन आरोग्य मेले का आयोजन किया गया। स्वास्थ्य मेले में बड़ी संख्या में ग्रामीणों ने पहुंचकर चिकित्सा सुविधाओं का लाभ लिया। इस दौरान कुल 52 मरीजों की स्वास्थ्य जांच की गई। चिकित्सकों ने मरीजों की समस्याएं सुनकर उन्हें आवश्यक परामर्श दिया और मौके पर ही दवाइयां उपलब्ध कराईं। मुख्यमंत्री जन आरोग्य मेले में क्षेत्र के विभिन्न गांवों से पहुंचे 52 मरीजों का पंजीकरण कर स्वास्थ्य परीक्षण किया गया। स्वास्थ्य विभाग की टीम ने मरीजों की जांच कर उन्हें बीमारी के अनुसार उपचार और दवाएं उपलब्ध कराईं।

चिकित्सा अधिकारी डॉ. मुकीम अहमद ने मेले में आए मरीजों की जांच की। उन्होंने बताया कि अधिकतर मरीज पेट दर्द, जुकाम, खांसी, बुखार और खुजली जैसी समस्याओं से पीड़ित मिले। सभी मरीजों को आवश्यक उपचार और स्वास्थ्य संबंधी सलाह दी गई। स्वास्थ्य मेले में पहुंची महिलाओं और बच्चों का भी विशेष ध्यान रखा गया। चिकित्सकों ने उनकी जांच कर स्वास्थ्य संबंधी जरूरी जानकारी दी। ग्रामीणों को बीमारियों से बचाव के उपायों के बारे में भी जागरूक किया गया।

मेले में मरीजों को जांच के बाद जरूरी दवाएं दी गईं। स्वास्थ्य विभाग की टीम ने लोगों से साफ–सफाई रखने, संतुलित खानपान अपनाने और बीमारी के लक्षण दिखाई देने पर समय से उपचार कराने की अपील की। मुख्यमंत्री जन आरोग्य मेले के सफल आयोजन में स्वास्थ्य विभाग के कर्मचारियों ने महत्वपूर्ण भूमिका निभाई। मरीजों के पंजीकरण से लेकर जांच और दवा वितरण तक सभी व्यवस्थाएं सुचारु रूप से संचालित की गईं। इस अवसर पर नेहा, अनीता वर्मा, महेश वर्मा और फार्मासिस्ट धर्मराज वर्मा समेत अन्य स्वास्थ्यकर्मी मौजूद रहे। स्वास्थ्य विभाग का कहना है कि जन आरोग्य मेले के माध्यम से ग्रामीण क्षेत्रों में लोगों को बेहतर चिकित्सा सुविधाएं उपलब्ध कराने का प्रयास लगातार जारी है।

निर्माणाधीन तालाब में डूबने से तीन किशोरों की मौत

संवाददाता–महराजगंज। निर्माणाधीन तालाब में नहाने गए तीन किशोरों की डूबने से मृत्यु हो गई। हादसे के बाद पूरे गांव में मातम पसर गया। एक किशोर की सूझबूझ से घटना की जानकारी स्वजन और ग्रामीणों तक पहुंची, जिसके बाद पुलिस, गोताखोरों और ग्रामीणों ने बचाव अभियान चलाया। हालांकि तीनों किशोरों को बाहर निकालकर अस्पताल पहुंचाने तक काफी देर हो चुकी थी। चिकित्सकों ने उन्हें मृत घोषित कर दिया।

सिसवा के मीराबाई नगर के वार्ड नंबर 25 स्थित पोखरा टोला निवासी राजबीर (13), नीतीश यादव (14), रोहन (13) और कृष्णा रौनियार (15) रविवार दोपहर गांव के निर्माणाधीन तालाब में नहाने गए थे। नहाते समय नीतीश, रोहन और कृष्णा गहरे पानी में चले गए और डूबने लगे। उनके साथ मौजूद राजबीर ने उन्हें बचाने का प्रयास किया, लेकिन सफलता नहीं मिली।

इसके बाद वह दौड़कर गांव पहुंचा और शोर मचाते हुए स्वजन व ग्रामीणों को घटना की जानकारी दी। सूचना मिलते ही बड़ी संख्या में ग्रामीण तालाब की ओर दौड़ पड़े। इसी दौरान पुलिस को भी सूचना दी गई। कोठीमार थाना पुलिस तत्काल मौके पर पहुंची और स्थानीय गोताखोरों तथा ग्रामीणों की मदद से बचाव अभियान शुरू कराया।

काफी मशक्कत के बाद तीनों किशोरों को पोखरे से बाहर निकालकर सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र सिसवा ले जाया गया, जहां चिकित्सकों ने जांच के बाद तीनों को मृत घोषित कर दिया। घटना की खबर फैलते ही अस्पताल और गांव में लोगों की भीड़ उमड़ पड़ी। स्वजन की चीख–पुकार से माहौल गमगीन हो गया। एक ही गांव के तीन किशोरों की असमय मौत से पूरे क्षेत्र में शोक की लहर दौड़ गई। कोठीमार थानाध्यक्ष अखिलेश वर्मा ने बताया कि प्रथम दृष्टया मामला निर्माणाधीन पोखरे में नहाने के दौरान डूबने से हुई मृत्यु का प्रतीत होता है।

भिवंडी से पहुंचा दो सगे भाइयों शव, मचा कोहराम

संवाददाता–गोण्डा। महाराष्ट्र के भिवंडी में गुरुवार की रात बिल्डिंग भर–भराकर गिर गई थी । इस हादसे में इटियाथोक के दो सगे भाइयों की मलबे मे दबने से मौत हो गई थी। रविवार की सुबह करीब सात बजे जब दोनों भाइयों का शव गांव पहुंचा तो लोग अन्तिम दर्शन के लिए दौड़ पड़े। शव के अन्तिम दर्शन के लिए लोगो का तांता लगा रहा। विकास खण्ड इटियाथोक के ग्राम पंचायत हिन्दूनगर खास के मजरा करीम नगर के रहने वाले सगे दो भाई अशोक कुमार (34) पुत्र सहतू, राकेश कुमार (26) की बिल्डिंग के मलबे में दबने से मौत हो गई थी। इस हादसे में मृतक अशोक कुमार के मामा के दो सगे बेटे कृष्ण कुमार (34) एवं मुकेश (25) की भी मौत हो गई थी।भिवंडी के कोहिनूर अपार्टमेंट में बने जर्जर चार मंजिला बिल्डिंग में दो सगे भाई अशोक कुमार, राकेश कुमार एवं उनके मामा के बेटे कृष्ण कुमार एवं मुकेश अन्य मजदूरों के साथ उसी बिल्डिंग में कार्य करने के लिए गए हुए थे। सभी लोग राजगीर का काम करते थे। कार्य के दौरान ही पूरी बिल्डिंग भर–भराकर गिर गई और उसमें कई लोग दब गए थे। मृतक अशोक कुमार की शादी हो गई थी उनके साथ उनकी पत्नी सीमा बेटी शिवानी (12) बेटा शुभम (9) सत्यम (6) और उनका छोटा भाई राकेश कुमार मुंबई में रहकर राजगीर का काम करते थे। राकेश कुमार की शादी नहीं हुई थी। रविवार की सुबह जब दोनों जवान बेटे का शव घर पहुंचा तो बूढ़े बाप सहतू की पथरीली आंखे जवान बेटे को ढूंढ रही थी वही हादसे में दो जवान बेटे को खोने के गम में मां श्यामपति दोनो बेटे के शवों को चूम रही थी। हादसे से पूरे करीमनगर गांव में गम का माहौल छाया हुआ है। प्रधान प्रतिनिधि सिस्ताज खान ने बताया दो सगे भाइयों का अन्तिम संस्कार गांव से दूर एक बाग में किया गया। बड़े बेटे अशोक कुमार के शव को मासूम बेटे शिवम एवं छोटे बेटे राकेश कुमार के शव को पिता सहतू ने मुखाग्नि दी। अन्तिम संस्कार के दौरान मौजूद सैकड़ों लोगों के आंसू नहीं रुक रहे थे। जवान दो बेटे के मौत से टूटी उम्मीद रू हादसे में दोनों बेटे अशोक कुमार एवं राकेश कुमार की मौत से परिवार पर दुखों का पहाड़ टूट पड़ा। दोनो भाई मुम्बई में रहकर मजदूरी कर घर एवं परिवार का खर्च चलाते थे। दर्दनाक हादसे में दोनों भाइयों की मौत से परिवार के भरण पोषण के लिए अब कोई नहीं बचा। गांव में जो खेत है बूढ़े पिता सहतू उसी में खेती का कार्य करते है। परिवार की सारी उम्मीद अब केवल सपने तक ही सीमित रह चुकी है।

कर्ज से परेशान युवक का फंदे से लटकता शव मिला

संवाददाता–देवरिया। गौरीबाजार थाना क्षेत्र के बैतालपुर में रविवार सुबह एक 25 वर्षीय युवक का शव घर के रोशनदान से कपड़े के फंदे से लटका मिला। बैतालपुर सब्जी मंडी के समीप हुई इस घटना से इलाके में सनसनी फैल गई। सूचना मिलने पर बैतालपुर चौकी पुलिस मौके पर पहुंची। पुलिस ने शव को कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए भेजा। मृतक की पहचान बैतालपुर सब्जी मंडी निवासी अजय बरनवाल के पुत्र रिशु बरनवाल के रूप में हुई है। परिजनों के अनुसार, रविवार सुबह जब घर के लोग कमरे में पहुंचे तो रिशु का शव फंदे से लटका हुआ पाया। इस दृश्य को देखकर परिवार में कोहराम मच गया। आसपास के लोगों ने भी मौके पर पहुंचकर पुलिस को घटना की जानकारी दी। पुलिस की प्रारंभिक जांच में सामने आया है कि रिशु ने कई लोगों से कर्ज लिया था। आर्थिक दबाव के कारण वह पिछले कुछ दिनों से मानसिक तनाव में था।

पुलिस आशंका जता रही है कि इसी तनाव के चलते उसने यह कदम उठाया होगा। हालांकि, पुलिस का कहना है कि मौत के वास्तविक

कारणों की पुष्टि पोस्टमार्टम रिपोर्ट और विस्तृत जांच पूरी होने के बाद ही हो सकेगी। पुलिस मामले की गहनता से छानबीन कर रही है। पुलिस की प्रारंभिक जांच में सामने आया है कि रिशु बरनवाल पर कई लोगों का कर्ज था। आर्थिक तंगी और कर्ज चुकाने की चिंता के कारण वह मानसिक तनाव में था। पुलिस इसी पहलू को ध्यान में रखकर मामले की जांच कर रही है। अधिकारियों का कहना है कि परिजनों और परिचितों से भी पूछताछ की जा रही है ताकि घटना के पीछे की वास्तविक वजह स्पष्ट हो सके। प्रथम दृष्टया मामला आत्महत्या का प्रतीत हो रहा है, लेकिन पुलिस सभी पहलुओं की जांच कर रही है। अभी तक परिजनों की ओर से कोई लिखित तहरीर नहीं मिली है।

यदि जांच के दौरान कोई अन्य तथ्य सामने आते हैं तो उसी के आधार पर आगे की कानूनी कार्रवाई की जाएगी। रिशु बरनवाल की मौत की खबर फैलते ही बैतालपुर क्षेत्र में शोक की लहर दौड़ गई। घटना के बाद बड़ी संख्या में स्थानीय लोग मृतक के घर पहुंचे और परिजनों को ढांढस बंधाया। परिवार के लोगों का रो–रोकर बुरा हाल है। पुलिस ने लोगों से अफवाहों पर ध्यान न देने की अपील करते हुए कहा है कि मामले की निष्पक्ष जांच की जा रही है और पोस्टमार्टम रिपोर्ट आने के बाद ही मौत के कारणों पर अंतिम निष्कर्ष निकाला जाएगा।

करंट की चपेट में आने से युवक की मौत

संवाददाता–देवरिया। जिले के खामपार थाना क्षेत्र के पिपरा दक्षिण पट्टी गांव में रविवार की सुबह करंट की चपेट में आने से एक युवक की मौत हो गई। युवक की मौत के बाद परिवार में मातम छा गया। मौके पर पहुंची पुलिस ने शव को कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम को भेज दिया। गांव निवासी जयप्रकाश सिंह कुशवाहा (40) पुत्र सर्वजीत सिंह के घर पर मकान निर्माण का कार्य चल रहा था। इसी दौरान बिजली का तार हटाते समय वह अचानक करंट की चपेट में आ गए। परिजन उन्हें तत्काल प्राथमिक स्वास्थ्य केंद्र भाटपाररानी लेकर पहुंचे, जहां चिकित्सकों ने जांच के बाद मृत घोषित कर दिया। घटना की सूचना मिलते ही परिवार में कोहराम मच गया। अस्पताल पहुंचे परिजनों का रो–रोकर बुरा हाल था। सूचना पर पहुंची खामपार पुलिस ने आवश्यक कार्रवाई करते हुए शव को पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया। मृतक जयप्रकाश सिंह कुशवाहा खेती–किसानी कर अपने परिवार का भरण–पोषण करते थे। उनके निधन से पत्नी गीता देवी, पुत्र पंकज (17), पुत्र अवनीश (9) तथा पुत्री प्रीति (14) सहित पूरे परिवार पर दुखों का पहाड़ टूट पड़ा। गांव में भी घटना के बाद शोक का माहौल है।

हनुमानगढ़ी के नवनिर्वाचित श्रीमहंत संदीप दास का हुआ सम्मान

–भारतीय बस्ती संवाददाता–

अयोध्या। पंचान पट्टी उज्जैनिया श्रीहनुमानगढ़ी के नवनिर्वाचित श्रीमहंत संदीप दास जी महाराज के श्रीमहंत पद पर अभिषेक के उपरांत रविवार को श्रीहनुमत कथा मंडपम् में भव्य सम्मान समारोह एवं विशाल भंडारे का आयोजन किया गया। कार्यक्रम का संयोजन महंत कल्याण दास जी महाराज ने किया। समारोह में हनुमानगढ़ी अखाड़े एवं अयोध्या के विभिन्न मठ–मंदिरों से बड़ी संख्या में संत–महंतों, श्रद्धालुओं एवं गृहस्थों ने सहभागिता कर नवनिर्वाचित श्रीमहंत का अभिनंदन किया।श्रीमहंत संदीप दास जी महाराज ने कहा कि सनातन धर्म एवं हनुमानगढ़ी की गौरवशाली परंपराओं को अक्षुण्ण रखते हुए पूर्वाचार्यों द्वारा निर्धारित नियमों और मर्यादाओं के अनुरूप सेवा कार्य करेंगे। उन्होंने संत समाज के विश्वास पर खरा उतरने का संकल्प भी व्यक्त किया। अखाड़ा के महासचिव महंत नंदराम दास जी महाराज ने कहा कि हनुमानगढ़ी का प्रत्येक संत भगवान हनुमान की सेवा के लिए समर्पित है और उन्हें विश्वास है कि श्रीमहंत संदीप दास सभी संतों के हित एवं कल्याण के लिए समर्पित भाव से कार्य करेंगे। अखिल भारतीय अखाड़ा परिषद के राष्ट्रीय प्रवक्ता एवं संकट मोचन सेना के राष्ट्रीय अध्यक्ष महंत संजय दास जी महाराज ने कहा कि श्रीमहंत संदीप दास अखाड़े की गौरवशाली परंपरा को नई ऊर्जा के साथ आगे बढ़ाएंगे तथा उन्हें संत समाज का पूर्ण सहयोग मिलेगा। अखाड़े के महासचिव महंत सत्यदेव दास जी महाराज ने भी उन्हें योग्य, सरल एवं परंपरानिष्ठ संत बताते हुए शुभकामनाएं दीं। महंत डॉ महेश दास ने कहा कि संदीप दास महाराज परंपरा को आगे बढ़ाएंगे और सभी को साथ लेकर चलेंगे।कार्यक्रम के संयोजक महंत कल्याण दास जी महाराज ने उपस्थित संतों का आभार व्यक्त करते हुए कहा कि उज्जैनिया पट्टी के नवनिर्वाचित श्रीमहंत अपने पूर्वाचार्यों की परंपराओं और आदर्शों का पूरी निष्ठा से पालन करेंगे। समारोह में अखाड़े के श्रीमहंत मुरलीधर दास, पूर्व प्रधानमंत्री महंत माधव दास, महंत धर्मदास, महंत रामकुमार दास, महंत राजू दास, पुजारी रमेश दास, अधिकारी छविराम दास, महंत बालयोगी रामदास, नाका हनुमानगढ़ी के महंत रामदास, महंत शशिकांत दास सहित हजारों की संख्या में संत–महंत, भक्त एवं श्रद्धालु उपस्थित रहे।

जातिगत जनगणना उनकी पार्टी की प्रमुख मांग रही -अनुप्रिया पटेल

संवाददाता–बहराइच। केंद्रीय मंत्री और अपना दल (एस) की राष्ट्रीय अध्यक्ष अनुप्रिया पटेल रविवार दोपहर करीब 1 बजे बहराइच पहुंचीं। उन्होंने पार्टी के जिला स्तरीय कार्यकर्ता समागम में हिस्सा लिया और आगामी विधानसभा चुनाव को लेकर कार्यकर्ताओं से अभी से पूरी ताकत के साथ मैदान में उतरने का आह्वान किया। अनुप्रिया पटेल ने कहा कि अपना दल (एस) ने सरकार में रहते हुए हमेशा पिछड़े, वंचित और शोषित वर्गों के अधिकारों की आवाज बुलंद की है। उन्होंने कहा कि जातिगत जनगणना कराने का सरकार का फैसला उनकी पार्टी की प्रमुख मांगों में शामिल था और यह उसी प्रयास का परिणाम है। केंद्रीय मंत्री ने कार्यकर्ताओं से आगामी विधानसभा चुनाव में अधिकतम सीटों पर जीत सुनिश्चित करने के लिए संगठन को मजबूत करने और बूथ स्तर तक सक्रिय होने की अपील की। हालांकि, उन्होंने यह स्पष्ट नहीं किया कि पार्टी प्रदेश में कितनी सीटों पर चुनाव लड़ेगी। उन्होंने कहा कि कार्यकर्ताओं का लक्ष्य प्रदेश में एक बार फिर एनडीए सरकार बनाना होना चाहिए।

कार्यक्रम के बाद पत्रकारों से बातचीत में अनुप्रिया पटेल ने राम मंदिर में चढ़ावा चोरी की घटना पर दुख जताया। उन्होंने कहा कि सरकार इस मामले की निष्पक्ष जांच करा रही है और जो भी दोषी होगा, उसके खिलाफ कानून के अनुसार कार्रवाई की जाएगी। सांसद पप्पू यादव के संत के वेश में संसद परिसर में प्रदर्शन करने के सवाल पर उन्होंने कहा कि लोकतंत्र में विपक्ष को विरोध दर्ज कराने का अधिकार है, लेकिन विरोध का तरीका ऐसा नहीं होना चाहिए जिससे किसी की धार्मिक भावनाएं आहत हों। पेपर लीक की घटनाओं पर केंद्रीय मंत्री ने कहा कि यह समस्या केवल एक राज्य तक सीमित नहीं है। उन्होंने बताया कि सरकार ने इस तरह की घटनाओं पर रोक लगाने के लिए सख्त कानून लागू किया है। कार्यक्रम में नानपारा विधायक राम निवास वर्मा, जिला अध्यक्ष गिरीश पटेल, अविनाश साहू, संजीव सिंह राठौर सहित बड़ी संख्या में पार्टी पदाधिकारी और कार्यकर्ता उपस्थित रहे।

आईजीआरएस में देवीपाटन मंडल का डंका,लगातार पांचवें माह शीर्ष पर 94.55 फीसदी अंकों के साथ प्रदेश में प्रथम

संवाददाता–बलरामपुर। उत्तर प्रदेश सरकार की एकीकृत शिकायत निवारण प्रणाली (आईजीआरएस) पोर्टल पर देवीपाटन मंडल ने एक बार फिर शानदार प्रदर्शन करते हुए जुलाई 2026 की प्रदेश स्तरीय रैंकिंग में पहला स्थान हासिल किया है। मंडल ने 110 में से 104 अंक प्राप्त कर 94.55 प्रतिशत सफलता दर दर्ज की। खास बात यह है कि देवीपाटन मंडल पिछले पांच माह से लगातार प्रदेश के शीर्ष प्रदर्शन करने वाले मंडलों में शामिल है। मंडलायुक्त दुर्गा शक्ति नागपाल की सख्त मॉनिटरिंग और शिकायतों के गुणवत्तापूर्ण निस्तारण की व्यवस्था को इस उपलब्धि का प्रमुख कारण माना जा रहा है। मंडल के चारों जिलों गोण्डा, बहराइच, श्रावस्ती और बलरामपुर में आईजीआरएस पर दर्ज शिकायतों की नियमित समीक्षा की जाती है। हर माह आयोजित समीक्षा बैठकों में लंबित प्रकरणों, निस्तारण की गुणवत्ता और शिकायतकर्ताओं की संतुष्टि का आकलन किया जाता है। मंडलायुक्त स्वयं प्रत्येक माह रैंडम आधार पर पांच शिकायतकर्ताओं से फोन पर बात कर यह सुनिश्चित करती हैं कि उनकी समस्या का वास्तविक समाधान हुआ है या नहीं। यदि केवल औपचारिकता या कागजी निस्तारण पाया जाता है तो संबंधित अधिकारियों की जवाबदेही तय की जाती है।महिलाओं और बेटियों की शिकायतों के त्वरित समाधान के लिए संचालित मां पाटेश्वरी शक्ति संवाद और संध्या संवाद कार्यक्रमों ने भी शिकायत निस्तारण व्यवस्था को मजबूत बनाया है। मार्च, अप्रैल, जून और जुलाई में प्रथम तथा मई में द्वितीय स्थान प्राप्त कर देवीपाटन मंडल ने निरंतर उत्कृष्ट प्रदर्शन का नया कीर्तिमान स्थापित किया है। मंडलायुक्त ने इस उपलब्धि का श्रेय अधिकारियों और कर्मचारियों की टीम भावना तथा आमजन को समयबद्ध, पारदर्शी और प्रभावी न्याय दिलाने की प्रतिबद्धता को दिया। देवीपाटन मंडल ने जुलाई 2026 में एकीकृत शिकायत निवारण प्रणाली (आईजीआरएस) की प्रदेश स्तरीय रैंकिंग में पहला स्थान प्राप्त किया है। मंडल ने 110 में से 104 अंक हासिल किए हैं। मंडलायुक्त दुर्गा शक्ति नागपाल की निगरानी और शिकायतों के निस्तारण के कारण यह सफलता मिली। महिलाओं की शिकायतों के प्रबंधन के लिए विशेष कार्यक्रमों ने भी मदद की।

रेलवे ट्रैक पर मिला गर्भवती शिक्षिका का शव

संवाददाता–कुशीनगर। तरयासुजान क्षेत्र के भुलिया अगरवां गांव के पास रेलवे फाटक से करीब 100 मीटर दक्षिण शनिवार रात लगभग आठ बजे रेलवे ट्रैक पर एक महिला शिक्षिका का शव दो हिस्सों में क्षत–विक्षत अवस्था में मिलने से सनसनी फैल गई। पुलिस ने शव को पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया। मृतका की पहचान 35 वर्षीय पिंकी गुप्ता के रूप में हुई, जो महराजगंज जिले के फरेंदा क्षेत्र के प्राथमिक विद्यालय बाजारडीहा में सहायक अध्यापक थीं और इन दिनों प्रसूता अवकाश पर थीं। ग्रामीणों के अनुसार, आनंद विहार–छपरा एक्सप्रेस के गुजरने के बाद ट्रैक पर शव पड़ा दिखाई दिया। सूचना मिलने पर तरयासुजान पुलिस मौके पर पहुंची और काफी देर तक पहचान का प्रयास करती रही। बाद में सेवरही ब्लाक के प्राथमिक विद्यालय मठिया श्रीराम में तैनात सहायक अध्यापक रवींद्र गुप्ता मौके पर पहुंचे और शव की पहचान अपनी पत्नी पिंकी गुप्ता के रूप में की। रवींद्र ने बताया कि वह सलेमगढ़ में किराये के मकान में पत्नी और उनकी सास (मृतका की मां) राजमती के साथ रहते थे। पत्नी प्रसूता अवकाश पर थीं। शनिवार को वह विभागीय प्रशिक्षण के लिए बीआरसी सेवरही गए थे। दोपहर में कई बार फोन करने पर पत्नी ने कॉल रिसीव नहीं किया। घर लौटने पर सास ने बताया कि पिंकी कुछ देर पहले तक कमरे में थीं, लेकिन अचानक कहीं चली गईं। काफी खोजबीन के बाद तरयासुजान थाने में गुमशुदगी दर्ज कराई गई। देर रात सूचना मिली कि रेलवे ट्रैक पर मिला शव उनकी पत्नी का है। मृतका का मायका गोरखपुर जिले के पीपीगंज थाना क्षेत्र के रायपुर गांव तथा ससुराल देवरिया जिले के भाटपाररानी थाना क्षेत्र के बड़का गांव में है। थाना प्रभारी नितिन रघुनाथ श्रीवास्तव ने बताया कि शव को पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया गया है। पोस्टमार्टम रिपोर्ट और अन्य साक्ष्यों के आधार पर आगे की कार्रवाई की जाएगी।

राष्ट्रीय निबंध प्रतियोगिता में श्री गुरु वशिष्ठ गुरुकुल के नौ बटुक हुए सम्मानित

–भारतीय बस्ती संवाददाता–

अयोध्या। श्री राम चंद्र मिशन द्वारा राष्ट्रीय स्तर पर आयोजित निबंध प्रतियोगिता ष्गुरु के सहयोग के बिना छात्र का विकास संभव नहीं है श्री गुरु वशिष्ठ गुरुकुल विद्यापीठ, अयोध्या के नौ बटुकों ने उत्कृष्ट प्रदर्शन करते हुए स्थान प्राप्त किया। इस उपलब्धि पर गुरुकुल परिवार में हर्ष का माहौल है।श्री राम चंद्र मिशन के कॉर्डिनेटर मनोज श्रीवास्तव ने गुरुकुल परिसर पहुंचकर चयनित विद्यार्थियों को प्रमाण–पत्र एवं पुरस्कार प्रदान कर सम्मानित किया। सम्मानित होने वाले विद्यार्थियों में सिद्धांत ब्रह्मचारी, सूर्यांश ब्रह्मचारी, अथर्व ब्रह्मचारी, शिवा ब्रह्मचारी, अर्पित ब्रह्मचारी, सौरभ ब्रह्मचारी, हर्षित ब्रह्मचारी और समर्थ ब्रह्मचारी प्रमुख रहे। प्रतियोगिता में उत्कृष्ट प्रदर्शन पर सभी विद्यार्थियों की सराहना की गई।गुरुकुल के निदेशक डॉ. दिलीप सिंह ने प्रसन्नता व्यक्त करते हुए कहा कि श्री गुरु वशिष्ठ गुरुकुल विद्यापीठ अपने निर्धारित लक्ष्य की ओर निरंतर अग्रसर है। उन्होंने कहा कि यहां विद्यार्थियों को वैदिक शिक्षा के साथ–साथ वेद विज्ञान, भारतीय संस्कृति और नैतिक मूल्यों का भी समुचित प्रशिक्षण दिया जाता है। इसी का परिणाम है कि गुरुकुल के बटुक विभिन्न राष्ट्रीय स्तर की प्रतियोगिताओं में अपनी प्रतिभा का लोहा मनवा रहे हैं। उन्होंने चयनित विद्यार्थियों के उज्ज्वल भविष्य की कामना करते हुए इसे उनके परिश्रम, अनुशासन और गुरुओं के मार्गदर्शन का प्रतिफल बताया।

विधायक विवेकानंद ने सुनी ग्रामीणों की समस्याएं

संवाददाता–कुशीनगर। नेबुआ नौरंगिया ब्लॉक क्षेत्र के परसिया गांव में रविवार को भारतीय जनता पार्टी ने श्चलो गांव की ओरश् अभियान के तहत एक ग्राम चौपाल का आयोजन किया। इस चौपाल में खड्डा विधायक विवेकानंद पाण्डेय ने ग्रामीणों की समस्याओं को सुना और उनके शीघ्र समाधान का आश्वासन दिया। यह चौपाल भाजपा बगही धाम मंडल अध्यक्ष सर्वजीत गुप्ता की अध्यक्षता में शिव मंदिर परिसर में आयोजित की गई थी। विधायक पाण्डेय ने ग्रामीणों से क्षेत्र के विकास कार्यों के संबंध में सुझाव भी मांगे। उन्होंने जोर देकर कहा कि जनप्रतिनिधियों और जनता के बीच सीधा संवाद ही विकास की मजबूत नींव है। उन्होंने ग्रामीणों की समस्याओं, आवश्यकताओं और सुझावों को गंभीरता से सुनने तथा उनके त्वरित, पारदर्शी और प्रभावी समाधान के लिए हरसंभव प्रयास करने का भरोसा दिलाया। विधायक विवेकानंद पाण्डेय ने इस अवसर पर कहा कि जनसेवा ही उनका मुख्य संकल्प है। उन्होंने आश्वासन दिया कि सभी के सहयोग, विश्वास और आशीर्वाद से वह क्षेत्र के सर्वांगीण विकास और जनकल्याण के लिए निरंतर समर्पित रहेंगे।

वीरपुर पंचायत में विशेष कैंप, 42 आयुष्मान कार्ड बने

संवाददाता–बहराइच। ब्लॉक पयागपुर की ग्राम पंचायत वीरपुर में रविवार को स्वास्थ्य विभाग ने आयुष्मान भारत योजना के तहत एक विशेष कैंप का आयोजन किया। इस दौरान कुल 42 पात्र लाभार्थियों के आयुष्मान कार्ड सफलतापूर्वक बनाए गए।

इस कैंप का मुख्य उद्देश्य गांव के गरीब और जरूरतमंद परिवारों को निःशुल्क स्वास्थ्य बीमा योजना से जोड़ना था। ग्रामीणों में इस पहल को लेकर काफी उत्साह देखा गया।

कार्यक्रम के दौरान ब्लॉक प्रोग्राम मैनेजर (बीपीएम) अनुपम शुक्ल ने आयुष्मान कार्ड के महत्व पर प्रकाश डाला। उन्होंने बताया कि यह योजना गरीब परिवारों के लिए संकट के समय में बड़ा सहारा है, जिसके तहत लाभार्थी सूचीबद्ध सरकारी और निजी अस्पतालों में प्रतिवर्ष 5 लाख रुपये तक का मुफ्त इलाज प्राप्त कर सकते हैं।

बीपीएम शुक्ल ने ग्रामीणों से अपील की कि जिन पात्र लोगों ने अब तक अपना आयुष्मान कार्ड नहीं बनवाया है, वे अपने गांव के पंचायत भवन, नजदीकी आयुष्मान आरोग्य मंदिर या वेलनेस सेंटर पर संपर्क करें। इसके अतिरिक्त, नजदीकी सरकारी अस्पताल (सीएचसीध् पीएचसी) में आयुष्मान मित्र से भी मिला जा सकता है।

प्रशासन का लक्ष्य हर पात्र व्यक्ति तक इस योजना का लाभ पहुंचाना है। यदि आपका नाम भी इस योजना की पात्रता सूची में है, तो जल्द से जल्द आवश्यक दस्तावेज जैसे आधार कार्ड और राशन कार्ड लेकर अपने नजदीकी प्रतिनिधि से संपर्क करें और अपना आयुष्मान कार्ड बनवाएं।

छेड़खानी की शिकायत पर मनबढ़ों ने बोला हमला, 9 साल के मासूम की बेरहमी से हत्या

संवाददाता–गोरखपुर। पिपराइच क्षेत्र के बेलाकांटा चौराहे पर एक महीने पुराने छेड़खानी के विवाद ने खूनी रूप ले लिया। घात लगाकर बैठे आठ–नौ युवकों ने पान दुकानदार के बेटे और उसके मौसेरे भाई पर लाठी, डंडे, रॉड और ईंट–पत्थरों से हमला कर दिया। वारदात में 9 साल के मासूम मौसेरे भाई की मौत हो गई जबकि पान दुकानदार के बेटे की हालत गंभीर बनी हुई है। घटना के बाद गांव में तनाव फैल गया। मामले को गंभीर मानते हुए वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक ने पिपराइच के प्रभारी निरीक्षक विवेक त्रिवेदी को लाइन हाजिर कर दिया है। झंगहा थाने में तैनात इंस्पेक्टर अनूप सिंह को पिपराइच थाने का नया प्रभारी बनाया गया है।

पिपराइच क्षेत्र के रहने वाले पीड़ित पिता बेलाकांटा चौराहे पर पान की दुकान चलाते हैं। करीब एक महीने पहले उन्होंने कुछ युवकों पर अपनी बेटी से छेड़खानी का आरोप लगाया था। इस संबंध में थाने में शिकायत भी की गई थी। आरोप है कि इसी रंजिश में शनिवार रात करीब सवा आठ बजे आरोपी पक्ष के युवक बेलाकांटा के पास पहले से घात लगाकर बैठे थे। रात में भोजन करने के बाद पान विक्रेता का 15 साल का बेटा और उनके साढू का नौ साल का बेटा पान की दुकान की ओर जा रहे थे। रास्ते में हमलावरों ने दोनों को घेर लिया और लाठी–डंडों, लोहे की रॉड तथा ईंट–पत्थरों से ताबड़तोड़ हमला कर दिया। चीख–पुकार सुनकर आसपास के लोग दौड़े लेकिन तब तक दोनों गंभीर रूप से घायल हो चुके थे। परिजन दोनों को सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र पिपराइच ले गए, जहां से मेडिकल कॉलेज रेफर कर दिया गया। इलाज के दौरान रविवार तड़के करीब दो बजे मासूम ने दम तोड़ दिया। वह चौथी कक्षा का छात्र था।

पान विक्रेता के बेटे की हालत गम्भीर है परिवार में कोहराम मचा है। मारे गए मासूम की मां की पहले ही मौत हो चुकी है। वह अपने मौसा के घर महुआपुर में रहकर पढ़ाई करता था। उसके पिता हैदराबाद में निजी कंपनी में नौकरी करते हैं। घटना की सूचना मिलते ही वह गोरखपुर के लिए रवाना हो गए है। पान विक्रेता का आरोप है कि यदि छेड़खानी के मामले में पुलिस समय रहते सख्त कार्रवाई करती तो यह वारदात नहीं होती। पुलिस ने शव को पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया है और आरोपियों की तलाश में दबिश दी जा रही है। एसपी नार्थ ने बताया कि तहरीर के आधार पर मुकदमा दर्ज कर आगे की कार्रवाई की जा रही है। मासूम की हत्या के बाद पुलिस की कार्यशैली पर सवाल उठने लगे। प्रारंभिक समीक्षा में मामले को गंभीर मानते हुए वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक डॉ कौस्तुभ ने पिपराइच के प्रभारी निरीक्षक को लाइन हाजिर कर दिया। उनके स्थान पर झंगहा थाने में तैनात इंस्पेक्टर अनूप को पिपराइच थाने का नया प्रभारी निरीक्षक बनाया गया है। एसपी नार्थ ज्ञानेंद्र का कहना है कि मामले की निष्पक्ष जांच कर सभी आरोपियों के खिलाफ कड़ी कार्रवाई की जाएगी।

करीब एक महीने पहले पान विक्रेता ने कुछ युवकों पर अपनी बेटी से छेड़खानी का आरोप लगाया था। शिकायत के बावजूद विवाद का समाधान नहीं हो सका। परिजनों का आरोप है कि इसी रंजिश में आरोपियों ने योजनाबद्ध तरीके से बच्चों को निशाना बनाया। परिवार का कहना है कि समय रहते प्रभावी कार्रवाई होती तो यह हत्या टाली जा सकती थी।

पुलिस भर्ती में चयनित युवक की सड़क हादसे में मौत

संवाददाता–अम्बेडकरनगर। इब्राहिमपुर थाना क्षेत्र में रविवार सुबह एक सड़क हादसे ने पुलिस भर्ती परीक्षा में चयनित 22 वर्षीय युवक की मौत हो गई। अज्ञात तेज रफ्तार अर्टिगा कार ने साइकिल सवार युवक को टक्कर मार दी, जिससे वह गंभीर रूप से घायल हो गया। उपचार के दौरान उसकी मृत्यु हो गई। शाहपुर गांव निवासी उत्कर्ष वर्मा उर्फ सोनू (22) पुत्र चंद्रभान वर्मा रविवार सुबह करीब नौ बजे अवसानपुर स्थित केशव शरण विद्यालय में कोचिंग से लौट रहा था। वह साइकिल से सड़क पर पहुंचा ही था कि अयोध्या की ओर से टांडा जा रही एक तेज रफ्तार अर्टिगा कार अनियंत्रित होकर सड़क से उतर गई और उत्कर्ष को टक्कर मार दी।

टक्कर इतनी भीषण थी कि उत्कर्ष गंभीर रूप से घायल होकर सड़क पर गिर गया। प्रत्यक्षदर्शियों के अनुसार, कार चालक वाहन को पीछे कर टांडा की ओर फरार हो गया। घायल उत्कर्ष करीब आधे घंटे तक सड़क पर तड़पता रहा। ग्रामीणों ने एंबुलेंस को सूचना दी, लेकिन आरोप है कि एंबुलेंस देर से पहुंची। सूचना मिलने पर सामाजिक कार्यकर्ता अरविंद यादव निजी वाहन से मौके पर पहुंचे और घायल उत्कर्ष को सीएचसी टांडा ले गए। प्राथमिक उपचार के बाद डॉक्टरों ने उसकी गंभीर हालत को देखते हुए उसे पीजीआई सद्रपुर रेफर कर दिया। वहां इलाज के दौरान उत्कर्ष ने दम तोड़ दिया। उत्कर्ष ने हाल ही में आयोजित पुलिस भर्ती परीक्षा में सफलता हासिल की थी। परिवार को उम्मीद थी कि वह जल्द ही पुलिस में शामिल होकर अपने माता–पिता का सपना पूरा करेगा। इस हादसे ने परिवार की खुशियों को मातम में बदल दिया है। उत्कर्ष अपने दो भाइयों में बड़ा था। उसके पिता चंद्रभान वर्मा ईंट–भट्ठे पर मजदूरी कर परिवार का भरण–पोषण करते हैं।

गृहकलह से परेशान युवक ने फांसी लगाकर दी जान

संवाददाता–गोरखपुर। कैंट थाना क्षेत्र के मोहद्दीपुर स्थित जगदंबा गली में गृहकलह से परेशान एक युवक ने कमरे के अंदर फांसी लगाकर आत्महत्या कर ली। सूचना पर पहुंची पुलिस ने मौके का निरीक्षण कराया और साक्ष्य जुटाए। पुलिस मामले की जांच कर रही है। पुलिस के अनुसार, मोहद्दीपुर की जगदंबा गली निवासी अमरनाथ यादव (26) पुत्र आनंदी यादव ने शनिवार रात करीब नौ बजे अपने कमरे का दरवाजा अंदर से बंद कर पंखे के सहारे फंदा लगाकर आत्महत्या कर ली। काफी देर तक बाहर नहीं निकलने पर परिजनों ने आवाज लगाई, लेकिन कोई प्रतिक्रिया नहीं मिली। इसके बाद दरवाजा तोड़कर अंदर पहुंचे तो अमरनाथ फंदे से लटका मिला।

परिजन उसे तत्काल जिला अस्पताल ले गए, जहां चिकित्सकों ने जांच के बाद मृत घोषित कर दिया। सूचना मिलने पर कैंट थाना पुलिस मौके पर पहुंची। फील्ड यूनिट ने घटनास्थल का निरीक्षण कर साक्ष्य एकत्र किए। कैंट इंस्पेक्टर संजय सिंह का कहना है कि प्रारंभिक जांच में मामला गृहकलह के चलते आत्महत्या का प्रतीत हो रहा है। परिजनों ने आत्महत्या किए जाने के संबंध में तहरीर दी है। शव को पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया गया है और तहरीर के आधार पर आवश्यक विधिक कार्रवाई की जा रही है।

20 साल की छात्रा का शव कमरे में मिला

संवाददाता–संतकबीर नगर। शहर के घोरखल मोहल्ले में किराये के कमरे में रहकर प्रतियोगी परीक्षाओं की तैयारी कर रही 18 वर्षीय छात्रा ने शनिवार की देर रात फंदे से लटककर जान दे दी। सूचना मिलने पर कोतवाली पुलिस ने शव को पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया और मामले की जांच शुरू कर दी है। पुलिस ने छात्रा के प्रेमी युवक को हिरासत में लेकर पूछताछ शुरू कर दी है। मृतका की पहचान सोनम (18) पुत्री नंदलाल, निवासी हरदो, थाना हैंसर बाजार के रूप में हुई है। वह जनवरी से घोरखल मोहल्ले में सुधीर जायसवाल के मकान में किराये पर रहकर प्रतियोगी परीक्षा की तैयारी कर रही थी। उसके साथ छोटी बहन भी रहती थी, लेकिन एक दिन पहले वह गांव चली गई थी, जिससे घटना के समय सोनम कमरे में अकेली थी। पुलिस के अनुसार, सोनम का पिछले तीन वर्षों से धनघटा बाजार निवासी अन्नू अग्रहरि (20) से प्रेम संबंध था। युवक रेडीमेड कपड़ों की दुकान चलाता है। दोनों की मुलाकात कपड़ों की खरीदारी के दौरान हुई थी और युवक अक्सर उससे मिलने आता था। रविवार की रात भी युवक कमरे पर आया था। प्रारंभिक जांच में सामने आया है कि किसी बात को लेकर दोनों के बीच कहासुनी हुई।

इसी दौरान युवक बाथरूम चला गया। आरोप है कि उसी समय छात्रा ने कमरे का दरवाजा बंद कर पंखे से फंदा लगाकर आत्महत्या कर ली। दरवाजा नहीं खुलने पर युवक ने छात्रा की एक सहेली को बुलाया। खिड़की तोड़कर दोनों कमरे में पहुंचे और छात्रा को फंदे से उतारकर बाइक से निजी अस्पताल ले गए।

वहां गंभीर हालत देखकर चिकित्सकों ने भर्ती करने से इन्कार कर दिया। इसके बाद वापस कमरे पर लौट गए। बाद में एंबुलेंस से जिला अस्पताल पहुंचाया गया, जहां रात करीब तीन बजे चिकित्सकों ने उसे मृत घोषित कर दिया। युवती की मौत के बाद जिला अस्पताल से भेजे गए मेमो के आधार पर कोतवाली पुलिस को घटना की जानकारी मिली। प्रभारी निरीक्षक जयप्रकाश दुबे ने बताया कि शव को कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया है।

नोएडा एक्सपो में चमकेगा सिद्धार्थनगर का कालानमक उत्पाद गोरखपुर की बर्फी और बस्ती का सिरका भी होगा शामिल

संवाददाता–सिद्धार्थनगर। सिद्धार्थनगर के कालानमक चावल से बने उत्पाद को पहचान मिलने लगी है। शासन की एक जनपद एक व्यंजन (ओडीओसी) योजना में इसे स्थान मिला है। पांच से आठ अगस्त तक नोएडा में होने वाले इंडिया हास्पिटेलिटी एक्सपो में यह बिक्री के लिए उपलब्ध होगा। इस एक्सपो में 31 जनपद के विशेषता वाले व्यंजन का स्टाल लगाने और प्रदर्शनी के लिए उद्यमियों को बुलाया गया है। इसमें गोरखपुर की सुप्रसिद्ध बर्फी व बस्ती में बनने वाले सिरका का भी स्टाल लगेगा। नोएडा में प्रस्तावित एक्सपो में ओडीओसी में चयनित कालानमक के उत्पाद का स्टाल लगाया लगेगा। कालानमक के चावल के आटे से बने कुकीज, ब्रेड, क्रीमरोल, बिस्किट आदि उत्पाद की बिक्री व प्रदर्शनी लगाई जाएगी। शासन ने कालानमक के चावल के आटे से उत्पाद बनाने वाले उद्यमी को स्टाल लगाने के लिए कहा है।

इसके अलावा बस्ती के कटरा स्थित फर्म हाउस आफ सिरका को भी बुलाया गया है। गोरखपुर के राजेंद्रनगर स्थित फर्म बाटी चोखा को गोरखपुर की बर्फी और कुशीनगर के पडरौना के गुप्ता स्वीट हाउस वहां के सुप्रसिद्ध लाल खोरमा का स्टाल लगाएंगे। नोएडा ने एक्सपो का आयोजन होना है। जनपद से कालानमक के उत्पाद बनाने वाले बुद्धा डिलाइट्स को भेजा जा रहा है। एक जनपद एक व्यंजन में कालानमक के उत्पाद को स्थान दिया गया है। इसके अलावा बस्ती, गोरखपुर, कुशीनगर समेत 31 जनपद के उद्यमी इसमें प्रतिभाग करेंगे।

सांसद पप्पू यादव के प्रदर्शन के विरोध में 'बुद्धि–शुद्धि यज्ञ'

संवाददाता–गोरखपुर। संसद भवन परिसर में सनातन धर्म को लेकर अमर्यादित प्रदर्शन के विरोध में विश्व हिंदू परिषद (विहिप) और बजरंग दल के कार्यकर्ताओं में भारी रोष देखने को मिला। इसके विरोध स्वरूप कार्यकर्ताओं ने महानगर स्थित शास्त्री चौराहे पर सांसद पप्पू यादव की बुद्धि–शुद्धि के लिए विधि–विधान से यज्ञ का आयोजन किया। कार्यक्रम के दौरान कार्यकर्ताओं ने सनातन धर्म और भगवान श्री राम के सम्मान में नारेबाजी करते हुए अपना विरोध दर्ज कराया। प्रांत संगठन मंत्री दीपेश कुमार ने कहा कि सनातन धर्म और हमारे आराध्य भगवान श्री राम का अपमान किसी भी सूरत में बर्दाश्त नहीं किया जाएगा। जनप्रतिनिधियों को अपनी मर्यादा का ध्यान रखना चाहिए। संसद जैसे पवित्र मंदिर में धर्म का उपहास उड़ाना अत्यंत निंदनीय है क्योंकि भारत की आत्मा हिंदू धर्म है। ईश्वर सांसद पप्पू यादव को सद्बुद्धि प्रदान करे, इसी कामना के साथ आज यह बुद्धि–शुद्धि यज्ञ किया गया है।

चाकू से हमले में सिपाही घायल, युवक गिरफ्तार

संवाददाता–गोरखपुर। गीडा थाना क्षेत्र के नौसढ़ चौकी अंतर्गत बाघागाड़ा पुलिस पिकेट पर रविवार शाम संदिग्ध अवस्था में चाकू लेकर घूम रहे युवक को पकड़ने के दौरान एक रिक्रूट कांस्टेबल घायल हो गया। आरोपी को हिरासत में लेकर पुलिस पूछताछ कर रही है। पुलिस के अनुसार रविवार शाम पुलिस को सूचना मिली कि बाघागाड़ा पिकेट के पास एक युवक हाथ में नारियल काटने वाला चाकू लेकर घूम रहा है। सूचना मिलते ही पुलिस टीम मौके पर पहुंची और युवक को रोकने का प्रयास किया। पुलिस को देखकर युवक भागने लगा, जिसके बाद पुलिसकर्मियों ने पीछा कर उसे दबोच लिया। पकड़ने के दौरान युवक के पास मौजूद चाकू से रिक्रूट कांस्टेबल दिवाकर त्रिवेदी के हाथ में चोट लग गई। घायल कांस्टेबल को तत्काल जिला अस्पताल भेजा गया, जहां उनका उपचार कराया गया। चिकित्सकों के अनुसार उनकी हालत खतरे से बाहर है। पूछताछ में आरोपी की पहचान सुनील वर्मा, पुत्र रामसूरत वर्मा, निवासी बेतियाहाता, थाना कैंट के रूप में हुई।

नशा मुक्ति एवं जन जागरूकता अभियान का हुआ शुभारंभ

संवाददाता–गोरखपुर। महायोगी गुरु गोरखनाथ आयुष विवि में रविवार को नशा मुक्ति शपथ ग्रहण कार्यक्रम आयोजित किया गया। इसके साथ ही विश्वविद्यालय परिसर में 100 दिवसीय नशा मुक्ति एवं जन–जागरूकता अभियान का भी शुभारंभ हुआ। इस अवसर पर चिकित्सकों, कर्मचारियों और विद्यार्थियों ने नशे के खिलाफ सामूहिक शपथ ली। कार्यक्रम के संचालन और समन्वय के लिए डॉ. श्रीराम सैनी को प्रभारी नियुक्त किया गया है। प्रत्येक रविवार को लगातार सौ सप्ताह तक जागरूकता कार्यक्रम संचालित किए जाएंगे। अभियान के अंतर्गत नुक्कड़ नाटक, पोस्टर प्रतियोगिता, स्लोगन लेखन, स्वास्थ्य जांच शिविर और विशेषज्ञों के व्याख्यान आयोजित किए जाएंगे। इस अवसर पर विवि के चिकित्सक एवं कर्मचारी मौजूद रहे।

राष्ट्रीय अधिकार मोर्चा की बैठक संपन्न, संगठन विस्तार पर हुई चर्चा

–भारतीय बस्ती संवाददाता– सिद्धार्थनगर। राष्ट्रीय अधिकार मोर्चा के राष्ट्रीय अध्यक्ष अलंकार अग्निहोत्री के निर्देशन में संगठन की एक महत्वपूर्ण बैठक आयोजित की गई। बैठक में संगठन को मजबूत बनाने, जनहित के मुद्दों को प्रभावी ढंग से उठाने तथा सदस्यता अभियान को गति देने पर विस्तृत चर्चा की गई।

बैठक के दौरान राष्ट्रीय अधिकार मोर्चा के जिलाध्यक्ष रमाकांत पांडे का पदाधिकारियों एवं कार्यकर्ताओं द्वारा माल्यार्पण कर भव्य स्वागत किया गया। इस अवसर पर जिलाध्यक्ष रमाकांत पांडे ने कहा कि संगठन आम जनता के अधिकारों की लड़ाई को पूरी मजबूती के साथ आगे बढ़ाएगा तथा जिले में संगठन को और अधिक सशक्त बनाने के लिए लगातार कार्य किया जाएगा।

बैठक में जिला महामंत्री ईश्वर चंद्र पांडे, जिला सचिव धर्मेंद्र दुबे (बालाजी के उपासक), परशुराम सेना प्रकोष्ठ के जिला अध्यक्ष कृपाशंकर त्रिपाठी, परशुराम सेना प्रकोष्ठ के जिला उपाध्यक्ष शिव प्रताप शुक्ला, जिला प्रभारी संजय कुमार पांडे सहित बड़ी संख्या में पदाधिकारी एवं कार्यकर्ता उपस्थित रहे। सभी ने संगठन की नीतियों को जन–जन तक पहुंचाने तथा समाज और राष्ट्रहित के कार्यों को आगे बढ़ाने का संकल्प लिया।

लिंक एक्सप्रेस वे पर डिवाइडर तोड़ते हुए नीचे गिरी डीसीएम, 2 की मौत

संवाददाता–गोरखपुर। खजनी लिंक एक्सप्रेस–वे पर रविवार सुबह एक दर्दनाक सड़क हादसा हो गया। हरनहीं अंडरपास के पास तेज रफ्तार डीसीएम अनियंत्रित होकर पहले डिवाइडर से टकराई और फिर अंडरपास की छत को तोड़ते हुए नीचे जा गिरी। हादसा इतना भीषण था कि डीसीएम में सवार दो लोगों की मौके पर ही मौत हो गई। दुर्घटना के बाद इलाके में अफरा–तफरी मच गई। जानकारी के अनुसार, डीसीएम (यूपी–78 जेएन 4790) फतेहपुर कानपुर से फॉर्च्यून कंपनी का माल लादकर गोरखपुर की ओर आ रही थी। रविवार सुबह करीब 4रू30 बजे जैसे ही वाहन बांसगांव थाना क्षेत्र के हरनहीं अंडरपास के पास पहुंचा, अचानक चालक का नियंत्रण डीसीएम से हट गया। प्रत्यक्षदर्शियों के अनुसार, तेज रफ्तार डीसीएम पहले सड़क के बीच बने डिवाइडर से टकराई। टक्कर इतनी जोरदार थी कि डिवाइडर टूट गया और वाहन उछलते हुए अंडरपास की छत से जा टकराया। इसके बाद डीसीएम छत तोड़ते हुए नीचे जा गिरी।

स्थानीय लोगों ने तत्काल बांसगांव थाना क्षेत्र की हरनहीं चौकी पुलिस को घटना की सूचना दी। जानकारी मिलते ही चौकी प्रभारी सब इंस्पेक्टर राजेंद्र कुमार सिंह पुलिस टीम के साथ मौके पर पहुंचे। पुलिसकर्मियों ने राहत और बचाव कार्य शुरू किया। काफी मशक्कत के बाद डीसीएम में फंसे दोनों लोगों को बाहर निकाला गया, लेकिन तब तक उनकी मौत हो चुकी थी। हादसे की भयावहता का अंदाजा इसी बात से लगाया जा सकता है कि वाहन का अगला हिस्सा पूरी तरह क्षतिग्रस्त हो गया था।

पुलिस जांच में मृतकों की पहचान कर ली गई है। मृतकों में ओमप्रकाश उत्तम पुत्र स्वर्गीय गोवर्धन (45 वर्ष), निवासी ग्राम कमरापुर, थाना बिंदकी, जनपद फतेहपुर और सुनील उत्तम पुत्र स्वर्गीय शिवमोहन (46 वर्ष), निवासी बहुरा का पुरवा, थाना बकेवर कस्बा, जनपद फतेहपुर। बताया जा रहा है कि दोनों डीसीएम में चालक और सहायक के रूप में काम करते थे। हादसे की सूचना मृतकों के परिजनों को दे दी गई है।

प्रारंभिक जांच में पुलिस हादसे का कारण तेज रफ्तार और चालक को नींद की झपकी आना मान रही है। हालांकि, पुलिस सभी पहलुओं की जांच कर रही है। घटनास्थल से जुड़े साक्ष्य जुटाए जा रहे हैं, ताकि दुर्घटना की वास्तविक वजह सामने आ सके। हरनहीं चौकी प्रभारी एसआई राजेंद्र कुमार सिंह ने बताया कि दोनों शवों को कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम की कार्रवाई की जा रही है। मामले में आवश्यक विधिक कार्रवाई जारी है। हादसे के बाद स्थानीय लोगों ने खजनी लिंक एक्सप्रेस–वे की सुरक्षा व्यवस्था और निर्माण गुणवत्ता पर सवाल उठाए हैं। ग्रामीणों का कहना है कि अंडरपास और डिवाइडर वाले स्थानों पर पर्याप्त सुरक्षा इंतजाम होने चाहिए, जिससे तेज रफ्तार वाहनों को नियंत्रित किया जा सके। लोगों ने मांग की है कि ऐसे संवेदनशील स्थानों पर चेतावनी संकेत, बैरियर और अन्य सुरक्षा उपाय लगाए जाएं, ताकि भविष्य में इस तरह के हादसों को रोका जा सके। फिलहाल पुलिस मामले की जांच में जुटी हुई है और मृतकों के परिजनों से संपर्क कर आगे की कार्रवाई कर रही है।

अदालती नोटिस

न्यायालय सिविल जज (सी0डि0) महोदय सिद्धार्थनगर स्थान द्वारा निकाली गयी उदघोषणा

प्रकीर्ण उत्तराधिकार वाद संख्या 254/2026

1– जैतुनिशा उम्र लगभग 41 वर्ष पत्नी स्व0 अब्दुल करीम ग्राम व पो0 सूपाराजा तप्पा हाटा परगना बांसी पूरब तहसील बांसी जनपद सिद्धार्थनगर

...प्रार्थिनी

बनाम

इस्टेट

तारीख पेशी– 27.08.2026

प्र0 पत्र अन्तर्गत दफा 372 भारतीय उत्तराधिकार अधिनियम

अपने पति/पत्नी मृतक अब्दुल करीम को देय ऋण और प्रतिभूतियों को वसूल करने के लिये प्रमाण पत्र की अभिप्राप्ति के लिये सन 1886 ई0 के अधिनियम 7 के अधीन उत्तराधिकार का आवेदन के लिये।

चूंकि ने प्रमाण पत्र को अभिप्राप्ति के लिये आवेदन दिया है और सन 2026 के 08 के 27 दिवस आवेदन को सुनवाई के लिये नियत हुआ है। अतः यह उदघोषणा निकाली जाती है कि जिस किसी को उक्त आवेदन के सम्बन्ध में आपत्ति हो वह स्वयं या अभिवक्ता द्वारा ..10 बजे पूर्वान्ह न्यायालय सिविल जज (सी0डि0) महोदय सिद्धार्थनगर में नियत दिनांक पर उप संजात होकर अपनी आपत्ति पेश करें। उक्त दिनांक के अवसान पर फिर किसी की आपत्ति न सुनी जायेगी और आवेदन के सम्बन्ध में यथोचित आदेश पारित होगा। 2026 के 08 के 01 दिवस को दिनांकित।

द0 हाकिम

अदालती नोटिस

सम्मन बरगज इनफिसाल मुकदमा (आर्डर 5 कायदा 1 व 5 मजमुआ जाप्ता 200 ई0)

वाद सं0– 561/2026

धारा 116 उ0प्र0रा0सं0–2006

अदालत– श्रीमान उपजिलाधिकारी महोदय भानपुर जिला–बस्ती

श्रीमती मजीदुन्निशा

बनाम

रविन्द्र कुमार आदि

बाबत मौजा सल्टौवागोपालपुर तप्पा सिकन्दरपुर परगना बस्ती पूरब तहसील भानपुर जिला बस्ती

1. रविन्द्र कुमार 2. सत्येन्द्र कुमार 3. जितेन्द्र कुमार 4. पंकज कुमार पुत्रगण त्रिलोकीनाथ साकिनान मौजा सल्टौवागोपालपुर तप्पा सिकन्दरपुर परगना बस्ती पूरब तहसील भानपुर जिला बस्ती

–प्रतिवादीगण प्रथम वर्ग

5. श्रीमती पूजा पत्नी अवधेश कुमार निवासी ग्राम भिटिया बुजुर्ग तप्पा सिकन्दरपुर परगना बस्ती पूरब तहसील व जिला बस्ती

–प्रतिवादी द्वितीय वर्ग

6. ग्राम पंचायत सल्टौवागोपालपुर जरिये प्रधान निवासी सल्टौवागोपालपुर तप्पा सिकन्दरपुर परगना बस्ती पूरब तहसील भानपुर जिला बस्ती

–प्रतिवादी तृतीय वर्ग

तारीख पेशी 12–08–2026

वाजेह हो कि ने आपके नाम एक नालिस बाबत दायर की है। लिहाजा आपको हुक्म होता है कि आप बतारीख 12 माह 08 सन 2026 ई0 बवक्त 10 बजे दिन बमुकाम असालतन या मारफत वकील के जो मुकदमे के हालात से करार वाकई वाकिफ किया गया हो और जो कुल उमूर अहम मुतल्लिका मुकदमा जवाब दे सके या जिसके साथ कोई और सख्श हो जो कि जवाब ऐसे सवालात का दे सके हाजिर हों और जवाबदेही दावा कीजिये और हरगाह वही तारीख जो आपके हाजिरी के लिये मुकर्रर है वास्ते इनफिसाल कतई मुकदमा के तजबीज हुई है और आपको लाजिम है कि उसी रोज जुमला दस्तावेज को जिनको आप अपनी जबावदेही के तहत इस्तदलाल करना चाहते हों पेश करें।

आपको इत्तिला दी जाती है कि अगर बरोज मजकूर आप हाजिर न होंगे तो मुकदमा बगैर हाजिरी आपके मसमुआ और फैसला होगा।

बसब्त मेरे दस्तखत और मुहर अदालत के आज बतारीख 29 माह 07 सन 2026 ई0 जारी किया गया।

द0 हाकिम

न्यायालय के आदेश पर आठ वारंटी गिरफ्तार

संवाददाता–अम्बेडकरनगर। हंसवर पुलिस ने रविवार को ई–वारंट अभियान के तहत बड़ी कार्रवाई की। थाना प्रभारी अभिनेष कुमार के नेतृत्व में पुलिस ने विभिन्न स्थानों से न्यायालय सिविल जज (सीनियर डिवीजन) द्वारा जारी ई–वारंट के आधार पर आठ वारंटियों को गिरफ्तार किया। यह कार्रवाई अपराध नियंत्रण और वांछित अभियुक्तों की गिरफ्तारी के लिए चलाए जा रहे विशेष अभियान का हिस्सा थी। यह अभियान पुलिस अधीक्षक प्राची सिंह के निर्देशन, अपर पुलिस अधीक्षक (पश्चिम) हरेंद्र कुमार और क्षेत्राधिकारी टांडा प्रदीप सिंह चंदेल के पर्यवेक्षण में चलाया गया। गिरफ्तार किए गए वारंटियों में वेद प्रकाश (पुत्र स्व. राधेश्याम, निवासी हंसवर), अली हुसैन (पुत्र मोहम्मद रजा, निवासी हंसवर), सलाहुद्दीन (पुत्र जहीरुद्दीन, निवासी नौरहनी रामपुर), हेमंत उर्फ हेमचंद (पुत्र स्व. जयप्रकाश), अमित कुमार (पुत्र सालिक राम, निवासी सेमरा नसीरपुर), प्रमोद कुमार (पुत्र राधेश्याम, निवासी मंझनपुर मजरा मूसेपुर कला), कलावती (पत्नी अशोक कुमार उपाध्याय) और आरती (पुत्री अशोक कुमार उपाध्याय, दोनों निवासी सोनहन थाना हंसवर) शामिल हैं।

आवश्यकता है

श्रीअपरवल राव राम बख्श सिंह इ0का0 गन्धरिया गजराज बस्ती में इण्टर वित्त विहीन (अंशकालिक) वैज्ञानिक वर्ग एवं कला वर्ग में प्रवक्ता पद हेतु आवश्यकता है–

वैज्ञानिक वर्ग के विषयः– सा0 हिन्दी, अंग्रेजी, भौतिक विज्ञान, रसायन विज्ञान, जीव विज्ञान एवं गणित।

कला वर्ग के विषयः– हिन्दी, संस्कृत, नागरिक शास्त्र एवं अर्थशास्त्र।

इच्छुक अभ्यर्थी अपने सभी प्रमाण–पत्रों की छाया प्रति के साथ विद्यालय कार्यालय में अपना आवेदन 16 अगस्त 2026 तक जमा करा दें।

प्रबन्धक

आवश्यक सूचना

सर्व साधारण को सूचित किया जाता है कि पहले मेरा नाम जैनुल आबदीन था। अब मैने अपना नाम बदल कर जैनुल आबदीन खान कर लिया है। इसके साथ ही अंग्रेजी शब्द में J के स्थान पर Z हो गया है। जिसे J लिखा व पढ़ा जाय। मेरे आधार कार्ड व पैन कार्ड में भी जैनुल आबदीन खान है। अब से मुझे इसी नाम से जाना व पहचाना जाय। मेरा पासपोर्ट संख्या बी 9452333 है।

जैनुल आब्दीन खान
पुत्र मोहम्मद नसीम
ग्राम व पोस्ट–जमदाशाही
थाना–वाल्टरगंज
जनपद–बस्ती (उ. प्र.) 272002

दैनिक भारतीय बस्ती

संस्थापक सम्पादक स्व. दिनेश चन्द्र पाण्डेय स्वत्वाधिकारी, प्रकाशक, मुद्रक प्रदीप चन्द्र पाण्डेय द्वारा दर्पण प्रिन्टिंग प्रेस वि0. नया हाल 1–4 A लोहिया काम्पलेक्स जिला पंचायत भवन गांधीनगर बस्ती (उ.प्र.) से मुद्रित एवं प्रकाशित।

प्रबन्ध सम्पादक–दिनेश सिंह
संयुक्त सम्पादक–प्रदीप चन्द्र पाण्डेय
अयोध्या–फैजाबाद कार्यालय– चर्तुभुजी मंदिर परिसर लक्ष्मण घाट अयोध्या–फैजाबाद
लखनऊ कार्यालय– आशियाना चौराहा, एल.डी.ए. कालोनी, सेक्टर एच. कानपुर रोड लखनऊ।
गोरखपुर कार्यालय– इलाहीबाग गोरखपुर।
मो0 9336715406, 8400925463
ई.मेल bhartiyabasti@gmail.com
dainikbhartiyabasti@gmail.com